राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,२४ मई २०२१ वर्ष-४, अंक -१२० पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केरल-तमिलनाडु में लॉकडाउन फिर बढ़ा, तेलंगाना में पुलिस को मिली पूरी छूट

नई दिल्ली। देश के दक्षिणी राज्यों में कोरोना महामारी विकट होती जा रही है। कर्नाटक सरकार द्वारा छह जून तक लॉकडाउन बढ़ाने के बाद तमिलनाडु और केरल में भी 23 मई को खत्म हो रहे लॉकडाउन को 30 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। इसी तरह तेलंगाना सरकार ने पुलिस को आदेश दिया है कि वो सख्ती से लॉकडाउन का पालन कराए तभी महामारी को भयावह होने से रोका जा सकता है।

केरल के मुख्यमंत्री पिन्नाराई विजयन ने शुक्रवार को बताया कि कोरोना की बेकाबू रफ्तार को देख राज्य में 30 मई तक लॉकडाउन रहेगा।

इसी के साथ एर्नाकुलम, त्रिसूर और तिरूवनंतपुरम को ट्रिपल लॉकडाउन से मुक्ति मिल गई है जबकि मल्लापुरम जिले में ट्रिपल लॉकडाउन 23 मई तक जारी रहेगा। ट्रिपल लॉकडाउन में चल रहे चार जिलों में से तीन में पॉजिटिविटी रेट 25 फीसदी से कम होने के बाद सरकार ने ये फैसला लिया है। वहीं दूसरी ओर तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पुलिस को पूरी छूट देते हुए कहा है कि वो लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराए। लोगों का जीवन बचाने के लिए सरकार ने राजस्व के हो रहे नुकसान की चिंता नहीं की है। ऐसे में लॉकडाउन के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। घटना के बाद कलेक्टर बाला सुब्रमण्यम अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि मरीज खाना खा रहा तब ऑक्सीजन निकली थी। इसी दौरान उसे हार्ट अटैक आया और उसकी मौत हो गई। राज्य सरकार ने घटना की दोबारा जांच का आदेश दिया है।

निगेटिव सैंपल को बताया पॉजिटिव-तमिलनाडु के मेडाल लैबोरेटरी ने पश्चिम बंगाल से आए कोरोना सैंपल को तमिलनाडु के कालाकुरिची जिले का बता पोर्टल पर अपलोड कर दिया। ये सभी सैंपल निगेटिव थे जिसे लैब ने पॉजिटिव बता दिया।

साइक्लोन यास पर हाईलेवल मीटिंग

पीएम मोदी ने तैयारियों का रिव्यू किया; NDMA-NDRF समेत 14 डिपार्टमेंट के सीनियर ऑफिसर्स के साथ चर्चा हुई

नई दिल्ली। तूफान ताऊ ते के बाद अब देश पर अब चक्रवात यास का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने इसके बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका जताई है। यह 26 मई को ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों से टकरा सकता है। इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स समेत 14 विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने तूफान से निपटने की तैयारियों का रिव्यू किया।

मीटिंग में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और पुडुचेरी के चीफ सेक्रेटरी और अफसर शामिल हुए। इसमें रेलवे बोर्ड चेयरमैन, NDMA मेंबर सेक्रेटरी, IDF चीफ के साथ गृह, पावर, शिपिंग, टेलिकॉम, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, सिविल एविएशन और फिशरीज मंत्रालय के सेक्रेटरी भी मौजूद रहे। बैठक में कोस्ट गार्ड, NDRF और IMD के DG भी शामिल हुए।

24 मई को चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात यास के उत्तर, उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। यह 24 मई तक एक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है और अगले 24 घंटों में बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। यह 26 मई को पश्चिम बंगाल के पास बंगाल की उत्तरी खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा और बांग्लादेश के तटों तक पहुंच जाएगा।

बंगाल और ओडिशा पर सबसे ज्यादा असर-तूफान को लेकर पहले से ही आंध्र प्रदेश, ओडीशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। इसका सबसे ज्यादा असर बंगाल और ओडिशा पर पड़ेगा। अंडमान और निकोबार और पूर्वी तट के कुछ इलाकों में तेज बारिश होने की संभावना है। इससे बाढ़ का खतरा भी बन सकता है।

कोस्टगार्ड समेत डॉक्टरों की टीम और एंबुलेंस स्टैंडबाय पर

कोस्ट गार्ड, डिजास्टर रिलिफ टीम, इन्फ्लेटेबल बोट, लाइफबॉय और लाइफजैकेट, इसके अलावा डॉक्टरों की टीम और एंबुलेंस को स्टैंडबाय पर रखा है। पोर्ट अथॉरिटी, ऑयल रिग ऑपरेटर्स, शिपिंग- फिशरीस अथॉरिटी और मछुआरे संघों को चक्रवात को लेकर जानकारी दे दी गई है।

लगातार मौसम पर रखी जा रही निगरानी-ICG के प्रवक्ता के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में मौसम पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के अलावा अंडमान और निकोबार द्वीपों में आईसीजी रिमोट ऑपरेटिंग स्टेशन की मदद से अलर्ट भेजे जा रहे हैं।

केंद्र ने 5 राज्यों को जारी की गाइडलाइन-इमरजेंसी कमांड सिस्टम और इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर और कंट्रोल रूम को तुरंत एक्टिव करें। नोडल अफसर तैनात करें और उसकी कॉन्टैक्ट डिटेल स्वास्थ्य मंत्रालय को उपलब्ध कराएं।

तटवर्ती राज्यों के सभी जिलों में हॉस्पिटल डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान को शुरू कर दें। इन जिलों के अस्पतालों में आपातकालीन स्थितियों के लिहाज से तैयारियों का रिव्यू भी कर लिया जाए।

जो इलाके तूफान के रास्ते में आ रहे हैं, वहां के सामुदायिक चिकित्सा केंद्रों और अस्पतालों से मरीजों की ऊंचाई वाले इलाकों के बड़े अस्पतालों में शिफ्टिंग का एडवांस प्लान तैयार कर लें।

कोविड मैनेजमेंट के लिए निगरानी यूनिट, स्वास्थ्य टीमों को भी महामारी के अलावा डेंगू, मलेरिया, सर्दी-खांसी, चेचक जैसी बीमारियों के लिए तैयार रहने को कहें। तूफान प्रभावित इलाकों में सभी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में, इनमें कोविड सेंटर्स भी शामिल हैं, पर्याप्त मैन पावर होनी चाहिए। ये सभी केंद्र पूरी तरह से फंक्शनल होने चाहिए। मैन पावर की कमी को प्रभावित न होने वाले जिलों से पूरा कर लिया जाए।

प्रभावित इलाकों के अस्पतालों, लैब और वैक्सीन कोल्ड चेन, ऑक्सीजन प्रोडक्शन यूनिट और दूसरी सपोर्टिव मेडिकल फैसिलिटीज में पर्याप्त पावर बैकअप हो। इसके अलावा इन अस्पतालों में बिजली-पानी और ईंधन की भी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण आवागमन प्रभावित हो सकता है। इमरजेंसी को ध्यान में रखते हुए जरूरी दवाओं का स्टॉक पहले से जमा कर लें। ह्क्स्र, क्लोरीन टैबलेट, ब्लीचिंग पाउडर और कोरोना के इलाज में लगने वाले दूसरे ड्रग की व्यवस्था कर ली जाए। कोविड और नॉन कोविड, दोनों तरह के अस्पतालों के लिए ये कदम जरूरी हैं।

ब्लैक फंगस का कहर: 14 राज्यों में महामारी घोषित

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा देश अब म्यूकरमाइकोसिस यानी ब्लैक फंगस की चपेट में भी आता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में ही इस बीमारी ने हजारों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है। अभी तक हरियाणा, गुजरात, यूपी और पंजाब समेत करीब 14 राज्यों ने इस बीमारी को महामारी घोषित कर दिया है।

किस राज्य में कितने मामले-ब्लैक फंगस के सबसे ज्यादा मामले गुजरात में हैं यहां 2281 लोग ब्लैक फंगस की चपेट में आए हैं. इसके अलावा महाराष्ट्र में 2000 मामले, आंध्र प्रदेश में 910 मामले, मध्यप्रदेश में 720, राजस्थान में 700, कर्नाटक में 500, दिल्ली में 197, यूपी में 124, तेलंगाना में 350, हरियाणा में 250, पश्चिम बंगाल में 6 और बिहार में 56 मामले सामने आए हैं। शनिवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक अस्पताल में इलाज के दौरान एक 32 वर्षीय महिला की 'ब्लैक फंगस' से मौत हो गई।

इन राज्यों में महामारी घोषित-कोरोना के मरीजों में ब्लैक फंगस के बढ़ते मामलों को देखते हुए हरियाणा, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, यूपी, पंजाब, गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान, ओडिशा, बिहार, चंडीगढ़, उत्तराखंड, तेलांगना समेत करीब 14 राज्यों में इस बीमारी को महामारी घोषित कर दिया गया है।

महामारी घोषित होने पर गाइडलाइंस का करना होता है पालन-बता दें कि जो राज्य किसी बीमारी को महामारी घोषित कर देते हैं फिर उन्हें केस, इलाज, दवा और बीमारी से होने वाली मौत का हिसाब रखना होता है। साथ ही सभी मामलों की रिपोर्ट चीफ मेडिकल ऑफिसर को देनी होती है। इसके अलावा केंद्र सरकार और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद यानी आईसीएमआर की गाइडलाइंस का पालन करना होता है।

2-डीजी दवा उपलब्ध नहीं, लेकिन मरीजों से लाने को कह रहे अस्पताल

नई दिल्ली। दिल्ली हार्ट एवं लंग्स इंस्टीट्यूट में भर्ती 68 वर्षीय मरीज रीता (बदला हुआ नाम) कोरोना के चलते गंभीर हालत में हैं। यहां डॉक्टरों ने उनके बेटे से कहा है कि मरीज को तत्काल डीआरडीओ की 2-डीजी दवा देनी है। इसके लिए डॉक्टरों ने बकायदा प्रिस्क्रिप्शन पर यह लिखकर दिया है कि इस मरीज को सबसे ज्यादा 2-डीजी दवा की आवश्यकता है। इतना ही नहीं अस्पताल से बताया गया कि यह दवा एम्स में मिल सकती है लेकिन जब बेटा वहां पहुंचा तो एम्स ने साफ कहा कि यह गलत जानकारी है। अभी इस दवा का इस्तेमाल परीक्षण से बाहर नहीं किया जा रहा है। यह दवा बाजार में उपलब्ध नहीं है। रीता की तरह कई मरीज हैं जिनका उपचार दिल्ली के नामचीन प्राइवेट अस्पतालों में चल रहा है और यहां के डॉक्टर उनके परिजनों से दवा का इंतजाम करने की सलाह दे रहे हैं। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश , हरियाणा, उत्तराखंड और पंजाब तक के अस्पतालों में इस तरह की प्रैक्टिस चल रही है। लोगों से कहा जा रहा है कि दिल्ली के बाजार में यह दवा मिल रही है वहां से ले आओ। इसे लेकर जब अमर उजाला ने बृहस्पतिवार को डीआरडीओ, आईसीएमआर, दिल्ली एम्स सहित कई स्थानों पर पड़ताल की तो पता चला कि यह दवा अभी भी परीक्षण की स्थिति में है। इस पर जो अध्ययन किया है वह अभी तक कहीं मेडिकल जर्नल में प्रकाशित नहीं हुआ है। वहीं हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डी फॉर्मा कंपनी ने कहा है कि अभी इस दवा का उत्पादन चल रहा है। पैकिंग- वितरण में अगले माह तक का समय लगेगा और उसके बाद भी यह सीधे अस्पताल या कोविड सेंटर में ही उपलब्ध होगी।

आईसीएमआर ने कहा, दवा के असर पर अभी जानकारी नहीं

आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि डीआरडीओ ने 2- डीजी दवा तैयार की है। इस पर अध्ययन हुआ है जिसके आधार पर ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने इसे अनुमति दी है लेकिन अभी यह अध्ययन कहीं प्रकाशित नहीं हुआ है।

दवा बनाने वाली कंपनी को ही अभी कीमत नहीं पता

2- डीजी दवा को लेकर अफवाहें काफी तेजी से फैली हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि एक पैकेट 500 रुपये का दिल्ली में मिल जाएगा। जबकि पड़ताल के दौरान जब दवा बनाने वाली कंपनी डॉ. रेड्डी फार्मा से संपर्क किया तो उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि अभी इस दवा की कीमत के बारे में उन्हें ही जानकारी नहीं है।

जब तक वे इसकी कीमत निर्धारित नहीं कर लेते तब तक कैसे बता सकते हैं कि यह कितने रुपये की होगी? डॉ. रेड्डी ने अमर उजाला से यह भी कहा है कि लोग महामारी के इस वक्त में काफी अफवाहों को बढ़ावा दे रहे हैं । ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट-सिर्फ कोरोना के अंदेशे के आधार पर सभी मामलों में जमानत नहीं दे सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सिर्फ कोरोना के अंदेशे के आधार पर सभी मामलों में जमानत नहीं दी जा सकती। जमानत के लिए अपराध का स्वरूप और उसकी गंभीरता पर विचार करना जरूरी होता है। जस्टिस विनीत शरण व जस्टिस अनिरुद्ध बोस की पीठ की ने ये टिप्पणी पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ एक होटल मालिक द्वारा दायर अग्रिम जमानत की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। होटल मालिक पर अपने परिसर का इस्तेमाल वेश्यावृत्ति के लिए करने का आरोप है। हाईकोर्ट के अग्रिम जमानत देने से इनकार के बाद उसने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सरकारी अभियोजक ने हाईकोर्ट के समक्ष कहा था कि एक गुप्त सूचना के आधार पर होटल में छापामारी की गई। पुलिस ने वहां से उज्बेकिस्तान की दो युवतियों समेत 14 लोगों को गिरफ्तार किया था। होटल मालिक मौके से भागने में सफल रहा था। अभियोजक की ओर से कहा गया था कि इस पूरे रैकेट का पर्दाफाश करने के लिए याचिकाकर्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ जरूरी है। जिसके बाद हाईकोर्ट ने उसे अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में होटल मालिक के वकील ने कहा, जिन दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है उनमें से एक उसकी पत्नी है जबकि दूसरी उसकी होटल की रिसेप्शनिस्ट है। साथ ही यह भी दलील दी गई कि अभी कोरोना महामारी का समय है इसलिए उसे अग्रिम जमानत दी जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, तो यहां भी कोविड आ गया। मामला अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम का है। होटल से 14 कस्टमर पकड़े गए। कोरोना सभी चीजों का समाधान नहीं है।

अति गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है 'यास', बंगाल और ओडिशा में मचा सकता है तबाही

नई दिल्ली। पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर शनिवार को कम दबाव का क्षेत्र बना जो प्रचंड चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है और 26 मई को यह पश्चिम बंगाल, ओडिशा के उत्तरी क्षेत्र और बांग्लादेश के तटों की तरफ मुड़ सकता है। यह जानकारी क्षेत्रीय मौसम विज्ञान विभाग ने दी है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक जी. के. दास ने कहा कि 26 मई की शाम तक यह तूफान दोनों राज्यों और पड़ोसी देशों के तटों को पार कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस दौरान पश्चिम बंगाल, ओडिशा के उत्तरी हिस्सों और बांग्लादेश के तट पर 26 मई की दोपहर हवा की गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है।

रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय नौसेना ने अपने पोतों और विमानों को तैयार रखा है ताकि प्रभावित इलाकों में सहायता पहुंचाई जा सके। दास ने बताया कि पश्चिम बंगाल में गंगा से लगते अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि 27 मई को कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी और ओडिशा, पश्चिम बंगाल तथा बांग्लादेश के तटों पर समुद्र में काफी ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को 23 मई से अगली सूचना तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

जानें कैसी है तैयारी

बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान 'यास' के संभावित खतरे से निपटने के लिए भारतीय नौसेना ने अपने चार युद्धपोतों के अलावा कई विमानों को भी तैनात किया है।

नौसेना ने कहा कि तूफान के संभावित खतरे से निपटने के लिए बाढ़ राहत एवं बचाव की आठ टीमों के अलावा गोताखोरों की चार टीमों को ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भेजा गया है।

नौसेना ने एक वक्तव्य में कहा, तूफान प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के लिए नौसेना के विमानों को विशाखापत्तनम में आईएनएस देगा पर जबकि चेन्नई के पास आईएनएस राजाली पर तैयार रखा गया है। इनके जरिए राहत एवं बचाव अभियान चलाने के अलावा राहत सामग्री वितरित भी की जाएगी।

कोरोना की तीसरी लहर बच्चों के लिए बन जाएगी काल ?

नई दिल्ली। देश में कोरोना लहर की तीसरी लहर की आशंका और उसमें बच्चों के सर्वाधिक प्रभावित होने की अटकलों के बीच केंद्र सरकार ने कहा कि बच्चों में कोरोना संक्रमण का प्रभाव न्यूनतम देखा गया है। मृत्यु दर भी न्यूनतम है लेकिन वे संक्रमण फैला सकते हैं। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बच्चे कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षित नहीं हैं। उनमें संक्रमण हो सकता है। लेकिन यदि वे कोरोना से संक्रमित होते हैं, तो उनमें से अधिकांश में कोई लक्षण नहीं दिखते हैं या बहुत हल्के लक्षण होते हैं। बहुत कम मामलों में बच्चों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत होती है। ड़ॉ. पॉल ने कहा कि मौजूदा समय में अस्पतालों में भर्ती कोरोना मरीजों में बच्चों की संख्या तीन-चार फीसदी से ज्यादा नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों पर कोरोना प्रभाव न्यूनतम होने के बावजूद वह कोरोना फैला सकते हैं।

वैक्सीन पासपोर्ट को लेकर अभी कोई फैसला नहीं

एक सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि वैक्सीन पासपोर्ट को लेकर अभी कोई फैसला विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से नहीं लिया गया है। अभी तक महज चर्चा चली है। जब भी ऐसा कोई निर्णय लिया जाएगा, सरकार भी उसी अनुरूप कदम बढ़ाएगी। उन्होंने इन अटकलों को खारिज किया कि वैक्सीन पासपोर्ट में कोविशील्ड टीके को मान्यता दी गई है और कोवैक्सीन को नहीं।

दो अलग टीकों की खुराक फायदेमंद हो सकती है

एक प्रश्न के उत्तर में डॉ. पाल ने कहा कि कोरोना टीकाकरण में दो अलग-अलग टीकों की खुराक फायदेमंद हो सकती हैं। उनसे स्पेन में हुए ताजा अध्ययन के बारे में सवाल पूछा गया था। उन्होंने कहा कि यह वैज्ञानिक रूप से संभव है। लेकिन अभी और वैज्ञानिक तथ्यों का सामने आना जरूरी है।

ब्लैक फंगस के मरीज

अग्रवाल ने कहा कि ब्लैक फंगस के मरीजों की संख्या को लेकर राज्यों से आंकड़े मांगने शुरू कर दिए गए हैं। अगले कुछ दिनों में सही आंकड़े सामने आने शुरू हो जाएंगे। हालांकि गैर सरकारी सूत्रों से करीब सात हजार मरीजों के संक्रमित होने की खबरें आ रही हैं।

कोरोना संक्रमण दर में काफी कमी

अग्रवाल ने कहा कि 10 मई को कोरोना की संक्रमण दर 24.83 फीसदी थी जो 22 मई को 12.45 फीसदी रही है। इसमें 12 दिनों में पचास फीसदी की कमी हुई है। उन्होंने कहा कि 18 राज्यों में यह दर अभी भी 15 फीसदी से ज्यादा है। जबकि 380 जिलों में यह 10 फीसदी से ज्यादा है।

टीके की बर्बादी घटी

अग्रवाल ने कहा की टीकों की बर्बादी घट रही है। कोविशील्ड टीके की बर्बादी एक मार्च को 8 फीसदी थी जो अब घटकर एक फीसदी रह गई है। जबकि कोवैक्सीन की 28 फीसदी सेघटकर 4 फीसदी रह गई है। हमने राज्यों से इसे शून्य के स्तर पर लाने को कहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वापसी की राह

इस पर हैरानी नहीं कि कृषि कानूनों के खिलाफ सड़कों पर उतरे किसान नेता अब अपने आंदोलन की वापसी की राह तलाश रहे हैं। भले ही किसान नेताओं ने केंद्र सरकार से नए सिरे से बातचीत शुरू करने की चिट्ठी लिखी हो, लेकिन लगता नहीं कि ऐसा हो पाएगा, क्योंकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे उन बिंदुओं पर सहमत हैं या नहीं, जो 11 दौर की बातचीत टूटने के बाद केंद्र ने उनके समक्ष रखे थे। यह बातचीत टूटी ही इसलिए थी, क्योंकि केंद्र की तमाम नरमी के बाद भी किसान नेता अपने हठ का परित्याग करने को तैयार नहीं थे। वे न केवल

केंद्र सरकार को आदेश देने की मुद्रा अपनाए हुए थे, बल्कि तीनों कृषि कानूनों की वापसी से कम कुछ मंजूर करने को भी तैयार नहीं थे। इस अड़ियलपन ने यही प्रतीति कराई थी कि उनका मकसद किसानों की समस्याओं का समाधान कराना नहीं, बल्कि केंद्र सरकार को झुकाना है। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि आम किसान इस आंदोलन से दूरी बनाने लगे। यह किसान नेताओं की जिद के अलावा और कुछ नहीं कि वे कोरोना संक्रमण के भीषण खतरे के बाद भी धरना देने में लगे हुए हैं। इस धरने को तत्काल प्रभाव से खत्म करने की जरूरत है, क्योंकि अब यह एक खौफनाक तथ्य है कि किसान संगठनों के जमावड़े के कारण ही पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ ग्रामीण इलाकों में कोरोना का संक्रमण फैला है। पंजाब के गांवों में शहरों के मुकाबले कोरोना से अधिक मौतें यही बता रही हैं कि किसान नेताओं की जिद किसानों पर बहुत भारी पड़ी। यदि किसान संगठन किसानों का सचमुच भला चाहते हैं तो उन्हें बिना किसी देरी के अपने जमावड़े को खत्म करना चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि धरना स्थलों पर भी कोरोना ने अपने पैर पसार लिए हैं और कुछ मौतें भी हुई है। समझना कठिन है कि किसान संगठनों की हिमायत करने वाले समाजसेवी संगठन और राजनीतिक दल किसान नेताओं पर इसके लिए दबाव क्यों नहीं बनाते कि वे अपना धरना खत्म करें? सवाल यह भी है कि कृषि कानूनों पर विशेषज्ञ समिति की समीक्षा रपट पर सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला कब सुनाएगा? क्या यह विचित्र नहीं कि जो सुप्रीम कोर्ट कोरोना संकट से जुड़ी समस्याओं का स्वत- संज्ञान ले रहा है, वह संक्रमण फैलाने का कारण बन रहे किसान आंदोलन पर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझ रहा है? बेहतर हो कि वह कोरोना काल में भी किसान आंदोलन जारी रहने का स्वत- संज्ञान लेने के साथ कृषि कानूनों पर अपना फैसला सुनाए। केंद्र सरकार को भी किसानों को समझा-बुझाकर वापस भेजने की कोई पहल करनी चाहिए।

संकट काल में सकारात्मक सन्देश

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संरचना में शाखाएं सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती हैं। यहीं से सामाजिक संगठन और नि:स्वार्थ सेवा का संस्कार मिलता है। इसमें मातृभूमि की प्रार्थना की जाती है-नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि। यह भाव राष्ट्र को सर्वोच्च मानने की प्रेरणा देता है। समाज के प्रति सकारात्मक विचार जागृत होता है। स्वयंसेवकों के समाज सेवा कार्य इसी भावना से संचालित होते हैं। देश में कहीं भी आपदा आती है,तब संघ के स्वयंसेवक वहां राहत कार्यों के लिए पहुंच जाते हैं। इनमें से किसी का कोई निहित स्वार्थ नहीं होता। यही स्वयंसेवक शब्द का निहित अर्थ है। कोरोना लहर के पहले व दूसरे दौर में भी स्वयंसेवकों ने सेवा भाव के अनुरूप आचरण किया। दूसरी लहर अधिक भीषण थी। इसमें भी स्वयंसेवक मेडिकल से लेकर अन्य राहत कार्यों में सतत सहयोग कर रहे हैं। इसके अलावा संघ वैचारिक रूप से भी सकारात्मक प्रयास कर रहा है। आपदा के दौर में पीड़ितों की सहायता करने के साथ समाज का मनोबल बढ़ाना भी आवश्यक होता है। संघ की प्रेरणा से जीतेंगे पॉजिटिव अनलिमिटेड वर्चुअल व्याख्यान की श्रृंखला का आयोजन शुरू किया गया। इसका उद्देश्य समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना था। इसको समाज के अनेक प्रतिष्ठित लोगों ने संबोधित किया। यह समाज हितैषी नागरिक,धार्मिक सामाजिक संगठनों की एक ऐसी पहल है जिसमें कोरोना संकट काल में महामारी से निपटने के लिए भारत के व्यापक प्रयासों के बीच समाज में सकारात्मक वातावरण के निर्माण के लिए व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। इसमें सद्गुरु जग्गी वासुदे ,जैन मुनिश्री प्रमाणसागर, श्री श्री रविशंकर, अज़ीम प्रेमजी, काँची कामकोटी, पीठम् , कांचीपुरम के शंकराचार्य जगद्गुरु विजयेंद्र सरस्वती, प्रसिद्ध कलाकार सोनल मानसिंह,आचार्य विद्यासागर जी महाराज, जैन मुनि,श्रीमहंत संत ज्ञानदेव सिंह के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत का संबोधन हुआ। इस वर्चुअल कार्यक्रम में आध्यात्मिकता,धार्मिक चर्चा,मानसिक स्वास्थ्य से लेकर जीवन को मजबूत बनाने जैसे विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किये गए। सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः ही संघ की विचार दृष्टि है। स्वयंसेवक का भाव भी इसी को रेखांकित करता है। नि:स्वार्थ सेवा का विचार ही किसी को स्वयंसेवक बनाता है। सेवा कार्य में कोई भेदभाव नहीं होता। संघ के स्वयंसेवक पूरे देश में इस समय सेवा प्रकल्प चला रहे हैं। सभी आनुषंगिक संघटन इस समय इसी कार्य में तन मन धन से समर्पित हैं। संविधान की प्रस्तावना में ही बंधुत्व की भावना का उल्लेख किया गया है। यह शब्द हिंदुत्व की भावना के अनुरूप है। इस दर्शन में किसी सम्प्रदाय से अलगाव को मान्यता नहीं दी गई। संघ संपूर्ण समाज को अपना मानकर काम करता है। भाषा,जाति, धर्म,खानपान में विविधता है। उनका उत्सव मनाने की आवश्यकता है। कुछ लोग विविधता की आड़ में समाज और देश को बांटने की कोशिश में जुटे रहते हैं। लेकिन संघ विविधता में भी एकत्व ढूंढने का काम करता है। हमारी संस्कृति का आचरण सद्भाव पर आधारित है। यह हिंदुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत में रहने वाले ईसाई और मुस्लिम परिवारों के भीतर भी यह भाव साफ देखा जा सकता है। संघ की स्थापना के असली उद्देश्य हिंदू समाज को जोड़ना था। किसी के विरोध में संघ की स्थापना नहीं की गई थी। संघ मजबूत भारत के निर्माण कार्य में समर्पित भाव से कार्य करता रहेगा। मोहन भागवत ने भारतीय चिंतन के अनुरूप सहयोग पर बल दिया। जरूरतमंदों की निस्वार्थ सहायता करनी चाहिए। यह हमारे देश का विषय है। इसलिए हमारी भावना सहयोग की रहेगी। एक सौ तीस करोड़ का समाज भारत माता का पुत्र है। हमारा बंधु है। हमें अपने मन में क्रोध और अविवेक के कारण इसका लाभ लेने वाली अतिवादी ताकतों से सावधान रहना है। सेवा समरसता आज की आवश्यकता है। इस पर अमल होना चाहिए। संकट को अवसर के रूप में समझने की आवश्यकता है। इसी से श्रेष्ठ भारत की राह निर्मित होगी। वर्तमान परिस्थिति में आत्मसंयम और नियमों के पालन का भी महत्व है। समाज में सहयोग,सद्भाव और समरसता का माहौल बनाना आवश्यक है।भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयारी करनी होगी। नए सिरे से अर्थनीति,विकासनीति की रचना अपने सिस्टम के आधार से करना होगी। इस संकट में संघ कार्य का स्वरूप बदल गया है। प्रचंड रूप से संघ के सेवा कार्य चल रहें है। स्वयं के प्रयास से अच्छा बनना और समाज को अच्छा बनाना ही संघ का काम है। यह समाज हमारा है, इसलिए सेवा कर रहें हैं। इसमें अहंकार का विचार नहीं आना चाहिए। भारत ने दूसरे देशों की मदद की, क्योंकि यहीं हमारा विचार है। समस्त समाज की सर्वांगीण उन्नति ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। सम्पूर्ण संसार के मुकाबले भारत में अभी तक बहुत अच्छा काम हुआ है। आरएसएस सामाजिक- सांस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना सकारात्मक चिंतन के आधार पर हुई थी। अर्थात संघ का उद्देश्य किसी का विरोध करना नहीं बल्कि हिंदुओं को संगठित करना रहा है। जब हिंदुत्व की बात आती है तो किसी अन्य पंथ के प्रति नफरत, कट्टरता या आतंक का विचार स्वतः समाप्त हो जाता है। तब वसुधैव कुटुंबकम व सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव ही जागृत होता है। भारत जब विश्व गुरु था, तब भी उसने किसी अन्य देश पर अपने विचार थोपने के प्रयास नहीं किये। भारत शक्तिशाली था, तब भी तलवार के बल पर किसी को अपना मत त्यागने को विवश नहीं किया। दुनिया की अन्य सभ्यताओं से तुलना करें तो भारत बिल्कुल अलग दिखाई देता है, जिसने सभी पंथों को सम्मान दिया। सभी के बीच बंधुत्व का विचार दिया। ऐसे में भारत को शक्ति संम्पन्न बनाने की बात होती है तो उसमें विश्व के कल्याण का विचार ही समाहित होता है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ऐसे ही भारत को पुनः देखना चाहता है। इस दिशा में प्रयास कर रहा है। भारत की प्रकृति मूलतः एकात्म है और समग्र है। अर्थात भारत संपूर्ण विश्व में अस्तित्व की एकता को मानता है। इसलिए हम टुकड़ों में विचार नहीं करते। हम सभी का एक साथ विचार करते हैं। समाज का आचरण शुद्ध होना चाहिए। इसके लिए जो व्यवस्था है उसमें ही धर्म की भी व्यवस्था है। धर्म में सत्य,अहिंसा, अस्तेय,ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह,शौच, स्वाध्याय, संतोष, तप को महत्व दिया गया। समरसता सद्भाव से देश का कल्याण होगा। हमारे संविधान के आधारभूत तत्व भी यही हैं। संविधान में उल्लेखित प्रस्तावना,नागरिक कर्तव्य,नागरिक अधिकार और नीति निर्देशक तत्व यही बताते हैं। जब भारत एवं भारत की संस्कृति के प्रति भक्ति जागती है व भारत के पूर्वजों की परंपरा के प्रति गौरव जागता है, तब सभी भेद तिरोहित हो जाते हैं। भारत ही एकमात्र देश है, जहाँ पर सबके सब लोग बहुत समय से एक साथ रहते आए हैं। सबसे अधिक सुखी मुसलमान भारत देश के ही हैं। दुनिया में ऐसा कोई देश है, जहाँ उस देश के वासियों की सत्ता में दूसरा संप्रदाय रहा हो। हमारे यहाँ मुसलमान व ईसाई हैं। उन्हें तो यहाँ सारे अधिकार मिले हुए हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आज के ट्वीट

धुंआ

बम के गोले 'गाजा' के 'आंतकवादियों' पर गिर रहे हैं और धुंआ यहाँ उठ रहा है.!

--मेजर जी डी बक्सी

ज्ञान गंगा

सामर्थ्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

मानव व सूर्य के आदि काल से ही महान भावनात्मक संबंध रहे हैं। वैदिक वाङ्मय सूर्य के माहात्म्य, उनकी विश्व संचालन में चेतनात्मक भूमिका तथा सूर्योपासना के लाभों के विवरणों से भरा पड़ा है। सूर्य मानव के लिए प्राणदाता, जीवन रक्षक व सांस्कृतिक विकास का परिचायक है। संसार के हर तत्त्व की तरह सूर्य तत्त्व भी त्रिआयामी है। आधिभौतिक, आधिदैविक एवं आध्यात्मिक ये उनके तीन आयाम हैं। वैज्ञानिकों ने सूर्य देव के भौतिक रूप से सम्पर्क कर प्रकाश, ऊर्जा एवं काल ज्ञान प्राप्त किया है। प्राचीन भारतीय विचारक मात्र पदार्थ विद्या के जानकार नहीं होते थे, अपितु देवतत्त्व तथा आत्म-तत्त्व के भी मर्मज्ञ होते थे। उनकी अभिव्यक्ति-प्रणाली त्रिस्तरीय थी। स्वाभाविक है कि इसके लिए अनुपम मेधा की आवश्यकता है, जिसकी पूर्ति वे गायत्री मंत्र के द्वारा करते थे। सूर्य का दैविक पक्ष कहीं, अधिक सशक्त और रहस्यमय है। इसकी उपासना से पवित्रता, प्रखरता, वर्चस्व, तेजस्व प्राप्त होता है। ब्रह्माण्ड के रहस्य जाने जा सकते हैं। लोक-लोकान्तरों के रहस्यों को प्रत्यक्ष किया जा सकता है। सिर्फ भौतिक विज्ञान द्वारा तीनों स्तरों का ज्ञान संभव नहीं होगा। आजकल का विज्ञान आधिभौतिक स्वरूप की ही खोजबीन में जुटा है। आधिदैविक रहस्य को समझने के लिए उपकरण भी आधिदैविक चाहिए। यह भौतिकी से संभव नहीं है। सूर्य व सविता के स्वरूप को वेद स्पष्ट करता है। सविता अर्थात सम्पूर्ण ब्रह्माण्डों के सूयरे में समान विराजमान, प्रेरक दिव्य शक्ति रूप परब्रह्म परमात्मा। ऋषि के अनुसार ब्रह्माण्ड का प्रत्येक सूर्य सविता है। ऋग्वेद के 'ॐ विानि देव सवितर्दुरितानि परासुव, यद्भद्रं तन्न आसुव' मंत्र में श्रेष्ठ विचारों को सूर्य के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। सविता अमृत तत्त्व का स्रोत है। आदित्य का आधिभौतिक रूप है परमाणु, आधिदैविक रूप है-ग्यारह प्रमुख देवगणों में से एक आदित्य देव तथा आध्यात्मिक रूप है चेतना। आदित्य-सविता सर्वव्यापी ब्रह्म है। सूर्य जगत की आत्मा है। यहां सूर्य शब्द से विश्व को प्रकाशित करने का व आकाश में उगने वाले सूरज से किसी को अर्थ नहीं लगाना चाहिए और न यह भ्रम पालना चाहिए कि यही वात्मा है। जिस प्रकार शरीर व आत्मा का संबंध है, कुछ इसी प्रकार का संबंध सूर्य और सविता में है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

उन्हें अपनी तकलीफ कहने तो दीजिए

ग्रेस टेम मानवाधिकार कार्यकर्ता

अभी उनकी उम्र करीब 27 साल है। हाल ही में वह 'ऑस्ट्रेलियन ऑफ द ईयर' चुनी गई हैं और मुल्क के मुअज्जिज लोगों के बीच उन्हें सम्मानित किया गया है। लेकिन इस मंच और मुकाम तक पहुंचने से पहले ग्रेस टेम को काफी शारीरिक-मानसिक यंत्रणा से गुजरना पड़ा। आज से करीब दस साल पहले, महज 15 साल की उम्र में उनके साथ जो कुछ हुआ, उसे तो वह ताउम्र नहीं भूल सकतीं, लेकिन उसके बाद के संघर्ष ने ग्रेस को एक मजबूत महिला के रूप में स्थापित किया है। ऑस्ट्रेलिया के द्वीप प्रदेश तस्मानिया के होबार्ट शहर में 1994 में पैदा ग्रेस टेम की पढ़ाई एक निजी स्कूल से हुई। पढ़ने-लिखने में शुरू से जहीन ग्रेस को दो-दो स्कॉलरशिप मिली थी। लेकिन अप्रैल 2010 में वह गंभीर रूप से बीमार पड़ गईं। तब वह दसवीं कक्षा में थीं। दरअसल, ग्रेस को भूख न लगने की बीमारी थी, जो अचानक गंभीर हो चली थी। इलाज के लिए उन्हें दो बार अस्पताल में भर्ती होना था। इसके बाद भी ग्रेस को कई दिनों तक बिस्तर पर पड़े रहना पड़ा। जाहिर है, वह अपनी क्लास में काफी पीछे हो गई थीं। सेहम में सुधार के बाद स्कूल का सिलसिला फिर शुरू हुआ। ग्रेस स्कूल लौटकर काफी खुश थीं। एक दिन उनकी कक्षा के बच्चों को कैंपस में ही ड्राइविंग सिखाने के लिए ले जाया गया। ग्रेस के दिमाग से इस कक्षा की बात उतर गई थी, लिहाजा वह गलियारे में ही इधर-उधर टहलने लगीं। एक वरिष्ठ शिक्षक निकोलस बेस्टर ने ग्रेस को यूं बेमकसद भटकते देखा, तो वह उनके करीब आ गए। करीब दो दशक से कार्यरत बेस्टर गणित व विज्ञान के विभागाध्यक्ष थे और स्कूल में उनका काफी सम्मान था। शिक्षक ने ग्रेस से उनकी तबियत दरियाफ्त की और कहा, 'अगर आप चाहें, तो जब भी मेरी कक्षा न हो, मेरे विभागीय कक्ष में आकर अपने छूटे हुए पाठ्यक्रम पूरा कर सकती हैं।'उन्होंने ग्रेस को मदद का भरोसा दिया। शिकारी ने जाल बिछाकर चारा फेंक दिया था। इससे अनभिज्ञ ग्रेस ने घर आकर मां को अपनी पूरी बातचीत के बारे में बताया। मां ने मदद में लिपटे खतरनाक इरादों को फौरन भांप लिया था। अगले ही दिन ग्रेस के माता-पिता स्कूल प्रिंसिपल के सामने इस अनुरोध के साथ हाजिर थे कि उनकी बेटी से उस शिक्षक को दूर रखा जाए। लेकिन स्कूल प्रिंसिपल और उस वरिष्ठ शिक्षक के साथ एक अलग बैठक में ग्रेस को ही उस शिक्षक से माफी मांगनी पड़ी कि उन्होंने उसे इस स्थिति में पहुंचाया है। ग्रेस को लगा कि उन्होंने कुछ गलत कर दिया। डर, उलझन और खुद पर संदेह ने जैसे उनके दिमाग को अपने कब्जे में ले लिया था। टीचर अब भी ग्रेस को उनसे मिलने और अपनी गणित संबंधी समस्याएं हल करने को कहते। लेकिन माता-पिता बेस्टर से किसी तरह के संपर्क के खिलाफ थे। चंद महीनों में ही बेस्टर ने ग्रेस का भरोसा इस कदर जीत लिया कि किन्हीं कमजोर पलों में किशोरवय ग्रेस ने एक नितांत निजी बात उससे साझा कर ली। फिर तो उस 58 साल के शिक्षक ने अगले छह महीने तक ग्रेस की जिंदगी को नरक बना दिया। यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना के इस लंबे दौर में ग्रेस को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि वह किससे अपनी पीड़ा कहें? माता-पिता की सख्त हिदायत को उन्होंने पहले ही नजरअंदाज कर दिया था। पर बेस्टर की ज्यादती जब बर्दाश्त के बाहर हो गई, तब ग्रेस ने

पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया और उसके कंप्यूटर से 28 आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। बेस्टर को तस्मानियाई कानून के मुताबिक, महज दो साल 10 महीने की सजा हुई। मगर 19 महीने के बाद वह पैरोल पर बाहर आ गया। उसने एक इंटरव्यू के जरिए सार्वजनिक रूप से ग्रेस का नाम लेते हुए इसे एक प्रेम-प्रसंग बताया, बल्कि ग्रेस का मजाक भी उड़ाया। ग्रेस गहरे सदमे में चली गईं। शराब व ड्रग्स में झूठी राहत तलाशती ग्रेस के लिए जैसे सब कुछ खत्म हो गया था। कई दौर की काउंसिलिंग के बाद उनकी स्थिति जब कुछ संभली, तब उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष रखना चाहा। लेकिन तस्मानिया का कानून यौन उत्पीड़ित महिलाओं को अपने अनुभव सार्वजनिक करने की इजाजत नहीं देता था। इस अपमान और बेबसी के विरुद्ध संघर्ष में ग्रेस को पत्रकार नीना फनेल का साथ मिला, जिन्होंने महिला वकीलों के साथ मिलकर 'लेट हर स्पीक'मुहिम छेड़ी। ग्रेस के पक्ष में हजारों की संख्या में ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने इस कानून को बदलने उन्हें अपनी बात कहने देने की मांग की। अंतत- तस्मानिया की आला अदालत ने ग्रेस टेम को यह इजाजत दे दी। ग्रेस ने अपना पक्ष रखा, और एक ऐसा दरिंदा बेनकाब हो गया, जिसने न जाने कितनी ही बच्चियों की जिंदगी खराब की है। ग्रेस टेम के मामले ने ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा जनांदोलन खड़ा कर दिया कि तस्मानिया सरकार को उस कानून को ही निरस्त करना पड़ा, जो पीड़िता को बलात्कारी का नाम सार्वजनिक करने से रोकता था।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

कोविड इफैक्टः विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से निकाले 4,444 करोड़ रुपए

बिजनेस डेस्कः विदेशी निवेशकों ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर और भारतीय अर्थव्यवस्था पर उसके पड़ने वाले प्रभाव की चिंता में मई में अब तक भारतीय बाजारों से 4,444 करोड़ रुपए की निकासी की है। डिपोजिटरी आंकड़े के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने एक से 21 मई के दौरान शेयर बाजार से 6,370 करोड़ रुपए निकाले जबकि बांड में 1,926 करोड़ रुपए लगाए। इस प्रकार, शुद्ध रूप से एफपीआई ने 4,444 करोड़ रुपए की निकासी की। मार्निंग स्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक अनुसंधान-हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर और उसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता से विदेशी निवेशक बाजार से थोड़ी दूरी बनाकर चल रहे हैं और शेयर बाजार में बड़ी राशि निवेश करने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि पिछले दो सप्ताह से कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर स्थिति में सुधार के संकेत हैं। इससे कुछ राहत मिली है तथा शुद्ध रूप से निकासी संख्या उल्लेखनीय रूप से घटी है। इससे पहले, अप्रैल में भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 9,435 करोड़ रुपए निकाले गए थे। कोटक सिक्योरिटीज लि. के कार्यकारी उपाध्यक्ष (इक्विटी तकनीकी शोध) श्रीकांत चौहान ने कहा कि मुद्रास्फीति में वृद्धि और कर्ज स्तर बढ़ने की चिंता से उभरते बाजारों से एफपीआई पूंजी निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उभरते बाजारों में दक्षिण कोरिया और ताइवान में इस माह अब तक क्रमशः 825 करोड़ डॉलर और 344 करोड़ डॉलर निकाले गए। हालांकि इसके उलट इंडोनेशिया में इस दौरान 4.6 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ।

कोरोना महामारी के बीच मार रही महंगाई, खाद्य तेलों के साथ दालों की कीमतों में भी वृद्धि

बिजनेस डेस्कः कोरोना संक्रमण रोकने के लिए देश के अधिकतर राज्यों में लॉकडाउन के बीच बढ़ती महंगाई ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। खाद्य तेलों के साथ अब दाल और दूसरी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने लगी है। इस बीच केन्द्र ने राज्यों को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर कड़ी नजर रखने के लिए निर्देश जारी किए हैं। सबसे ज्यादा महंगाई खाद्य तेल की कीमतों में हुई है। पिछले साल के मुकाबले खुले बाजार में तेल के दाम लगभग डबल हो गए। उपभोक्ता मंत्रालय के मूल्य निगरानी प्रभाग के आंकड़ों के मुताबिक एक अप्रैल से 20 मई के बीच सरकारों की तेल की कीमतों में 30 रुपए प्रति किलो की वृद्धि हुई है। पोर्ट ब्लेयर में यह वृद्धि 45 रुपए है। दिलचस्प बात यह है कि इस अवधि के दौरान तेलंगाना के सूर्यापेट में सरसों के तेल के दाम 25 रुपए प्रति किलो तक कम हुए हैं।

अरहर-मसूर की दाल के दाम करीब 10 रुपए बढ़े

सरसों के तेल के साथ वनस्पति, सोयाबीन और सनफ्लावर ऑयल की कीमतों में भी वृद्धि का रुझान है। खुले बाजार में यह इजाफा काफी ज्यादा है। इससे लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। खाद्य तेलों के साथ दालों की कीमत भी बढ़ रही है। सरकार के मूल्य निगरानी प्रभाग के आंकड़ों के अनुसार एक अप्रैल से बीस मई के दौरान अरहर और मसूर की दाल के दाम करीब 10 रुपए प्रति किलो बढ़े हैं। बेंगलूरू ईस्ट रेंज में मसूर की कीमतों में 40 रुपए प्रति किलो की वृद्धि हुई है।

सरकार भी कीमतों में इजाफे के रुझान से वाकिफ

सरकार भी कीमतों में इजाफे के रुझान से वाकिफ है, इसलिए केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने अधिकारियों को कीमतों पर कड़ी नजर रखने के साथ असामान्य रूप से कीमतों में इजाफे को रोकने और कीमतों को स्थिर रखने के लिए पर्याप्त स्टॉक बनाने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को जारी किए गए इन निर्देशों में कहा गया है कि आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी करने वालों के खिलाफ राज्य सरकार कार्रवाई करे।

सोने में निवेश बढ़ा रहे निवेशक, अप्रैल में स्वर्ण बचत कोष में 864 करोड़ रुपए का प्रवाह

(एजेंसी):

कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के कारण अनिश्चित आर्थिक माहौल के बीच निवेशक सोने में निवेश बढ़ा रहे हैं। स्वर्ण बचत कोष और गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में अप्रैल में 864 करोड़ रुपए निवेश किए गए। क्वांटम म्यूचुअल फंड में वरिष्ठ कोष प्रबंधक (अल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट्स) चिराग मेहता ने कहा कि सोने से जुड़े कोष में निवेश प्रवाह 2021-22 में बने रहने की उम्मीद है। इसका कारण इस अनिश्चित माहौल में निवेशकों के विभिन्न उत्पादों में निवेश के मुकाबले सोने में अभी भी काफी कम पैसा लगा हुआ है। मार्निंग स्टार इंडिया के आंकड़े के अनुसार स्वर्ण बचत कोष और गोल्ड ईटीएफ में अप्रैल महीने में क्रमशः 184 करोड़ रुपए और 680 करोड़ रुपए का शुद्ध प्रवाह हुआ है। आंकड़े के अनुसार 2020-21 में स्वर्ण कोष में 3,200 करोड़ रुपए जबकि गोल्ड ईटीएफ में 6,900 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हुआ था। मार्निंग स्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''इस साल कोरोना वायरस संक्रमण में तीव्र वृद्धि को देखते हुए मौजूदा माहौल में संपत्ति के रूप में सोने का प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद है। निवेशकों की इस संपत्ति को लेकर रूचि बनी हुई है। क्वांटम म्यूचुअल फंड के मेहता ने यह भी कहा कि निवेशक अब गोल्ड ईटीएफ या स्वर्ण बचत कोष में निवेश को तरजीह दे रहे हैं। इसका कारण स्वर्ण आभूषण या सोने में भौतिक रूप से खरीद-बिक्री में होने वाली समस्या है। उन्होंने कहा कि स्वर्ण बचत कोष या गोल्ड ईटीएफ में निवेश से उन्हें सुरक्षा के लिहाज से एक संतोष मिलता है क्योंकि यह उन्हें आसानी से खरीद-बिक्री की सुविधा देता है। अगर रिटर्न की बात की जाए तो इन उत्पादों ने पिछले तीन साल में संचयी रूप से 13 से 14 प्रतिशत सालाना लाभ दिया है। जबकि पांच साल में रिटर्न 8 रहा है।

हैकर्स ने डोमिनोज के ग्राहकों का आंकड़ा लीक किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पिज्जा ब्रांड डोमिनोज के उपभोक्ताओं से जुड़ी सूचना एक हैकर ने कथित रूप से लीक कर दी है। एक साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने यह सूचना साझा की। कंपनी ने सूचना लीक होने की बात स्वीकार की है, लेकिन बताया है कि उपभोक्ताओं की वित्तीय जानकारी सुरक्षित हैं। एक साइबर सुरक्षा अध्ययनकर्ता के मुताबिक हैकर द्वारा विकसित किए गए पोर्टल का उपयोग कर रहे लोग उसका उपयोग उपभोक्ताओं की जासूसी करने, उनके लोकेशन, ऑर्डर की तारीख और वक्त का पता लगाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि डोमिनोज इंडिया के 18 करोड़ उपभोक्ताओं की सूचना सार्वजनिक कर दी गई है। हैकर ने डार्क वेब पर एक सर्च इंजन बनाया है। अगर आपने कभी भी डोमिनोज पर ऑनलाइन ऑर्डर किया है, तो संभवतः आपकी सूचना लीक हुई है। सूचना में नाम, ईमेल, मोबाइल, जीपीएस लोकेशन आदि शामिल है। संपर्क करने पर डोमिनोज पिज्जा कंपनी स्वामित्व वाली कंपनी जुबिलियंट फूडवर्क्स ने बताया कि हाल ही में कंपनी में सुरक्षा संबंधी कुछ दिक्कत हुई है लेकिन उपभोक्ता की वित्तीय जानकारी लीक नहीं हुई हैं।

टाटा समूह की इंडियन होटल्स स्वास्थ्य कर्मियों के लिए दे चुकी है अब तक 3 लाख थाली भोजन

नई दिल्ली (एजेंसी):

टाटा समूह की ताज होटल चालने वाली कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने रविवार को कहा कि कोविड देखभाल पहल के तहत वह आठ शहरों के 32 अस्तपतालों और कोविड केंद्रों में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए भोजन पहुंचा रही है। कंपनी रविवार दिन की समाप्ति तक 3 लाख थाली से अधिक भोजन वितरित कर चुकी होगी। कंपनी ने बताया कि उसने दो मई को फिर से अपनी ह्यमिल्सटूस्माइल मुहीम शुरू की। जिसके तहत मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, गोवा, हैदराबाद, कोलकाता, नई दिल्ली और वाराणसी में स्वास्थ कर्मचारियों को खाना वितरित किया जा रहे हैं। यह मुहीम कंपनी ने पिछले वर्ष भी चलाई थी। आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक और सीईओ पुनीत छटवाल ने कहा, कर्मचारियों, मेहमानों, सहयोगियों और समाज का स्वास्थ्य एंव सुरक्षा आइएचसीएल की संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा, ''हम रविवार दिन समाप्त होने तक आठ शहरों के 32 अस्पतालों और विभ्भिन कोविड केंद्रों में काम कर रहे स्वास्थ्य कर्मचारियों को तीन लाख थाली से अधिक भोजन वितरित कर चुके होंगे। उन्होंने कंपनी की कोविड19 संबंधी पहल का जिक्र करते हुए कहा, हमने अपने कुछ होटलों को हल्के लक्षण वाले कोविड मरीजों के लिए क्वारंटाइन सुविधाओं के रूप में बनाने के लिए कई स्थानीय अस्पतालों के साथ सहयोग करना जारी रखा है। यह सुविधा हमारे कर्मचारियों के लिए भी हैं। यह पहल दस शहरों के 13 होटलों में चलाई जा रही है। जरुरत पढ़ने पर भी ओर भी होटल इस सुविधा में जोड़े जाएंगे।

जीएसटी बैठक में आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर टैक्स लगाने पर हो सकता है फैसला

(एजेंसी):

जीएसटी परिषद की 28 मई को होने वाली बैठक में व्यक्तिगत उपयोग के लिए ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर के आयात पर कर लगाने के बारे में नया निर्णय किया जा सकता है। इस समय इस पर 12 प्रतिशत की दर से सम्वन्वित माल एवं सेवाकर (आईजीएसटी) लगाने का प्रावधान है। पिछले सप्ताह, दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि व्यक्तिगत उपयोग के लिए मंगाए गए या उपहार स्वरूप प्राप्त ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर 12 प्रतिशत एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) लगाना असंवैधानिक है। अदालत ने 85 साल के मरीज की याचिका पर यह फैसला सुनाया। उसे यह उपकरण उसके रिश्तेदार ने अमेरिका से भेजा था। उसने इस संदर्भ में वित्त मंत्रालय की एक मई को जारी अधिसूचना को खारिज कर दिया। अधिसूचना में कहा गया था कि व्यक्तिगत उपयोग के लिए आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर 12 प्रतिशत आईजीएसटी लगेगा, फिर चाहे वह उपहार के रूप में या अन्य किसी तरीके से आया हो। सूत्रों ने कहा कि इस मामले में अंतिम निर्णय परिषद शुक्रवार को होने वाली बैठक में करेगी। कर विशेषज्ञों का कहना है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ऐसे आयात पर आईजीएसटी से छूट देने का निर्णय कर सकती है क्योंकि इससे राजस्व पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। ईवाई के कर भागीदार अभिषेक जैन ने कहा कि सरकार कोविड राहत के लिए राज्य सरकार या उसके द्वारा अधिकृत एजेंसी द्वारा भारज में मुफ्त वितरण के लिए आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर आईजीएसटी छूट दे चुकी है। जैन ने कहा, ''दिल्ली उच्च न्यायालय ने आईजीएसटी छूट का लाभ व्यक्तिगत उपयोग के लिए स्वयं से या उपहारस्वरूप आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर देने को कहा है। महामारी की विकरालता और जीवन रक्षक उपकरण होने के नाते तथा राजस्व नुकसान बहुत ज्यादा नहीं होने को देखते हुए सरकार फैसले को स्वीकार कर सकती है और लाभ दे सकती है। परिषद की 28 मई को होने वाली बैठक में कोविड संक्रमण के इलाज से जुड़े जरूरी सामान पर कर की दरों में कटौती के अलावा राज्यों की क्षतिपूर्ति में कमी पर भी चर्चा हो सकती है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों ने कोविड-19 मरीजों के इलाज में उपयोगी सभी जीवन रक्षक दवाओं, उपकरण और उत्पादों पर जीएसटी से छूट दिए जाने की मांग की है। इससे पहले, केंद्र ने कोविड टीकों, दवाओं और ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर जीएसटी से छूट देने से इनकार किया था। उसका कहना था कि इससे उपभोक्ताओं के लिए चीजें महंगी होंगी क्योंकि विनिर्माताओं को कच्चे माल पर किए गए कर भुगतान (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का लाभ नहीं मिलेगा। फिलहाल टीके की घरेलू आपूर्ति और वाणिज्यिक आयात पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगता है जबकि कोविड दवाओं और ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर 12 प्रतिशत कर लगता है। सरकार ने एक मई को व्यक्तिगत उपयोग के लिए आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर के आयात पर आईजीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत कर दिया था। घटी हुई दर 30 जून तक के लिए प्रभावी है। वाणिज्यिक उपयोग के लिए आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर भी जीएसटी 12 प्रतिशत है।

ब्याज पर ब्याज से दी गई छूट की भरपाई के लिए आईबीए ने सरकार का दरवाजा खटखटाया

(एजेंसी):

बैंकों की ओर से भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने हाल ही में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के मुताबिक लॉकडाउन अवधि के दौरान कर्ज पर ब्याज के ऊपर ब्याज को लेकर दी गई छूट की भरपाई के लिए वित्त मंत्रालय का दरवाजा खटखटाया है। पिछले साल मार्च से अगस्त की अवधि के दौरान सरकार ने कर्जदाताओं को कर्ज की किस्त का भुगतान करने से छूट दी थी।

IBA ने वित्त मंत्रालय से की भरपाई करने की मांग

उच्चतम न्यायालय ने इस अवधि के दौरान बैंकों को कर्जदारों से ब्याज पर ब्याज की वसूली नहीं करने का आदेश दिया। इससे बैंकों पर जो बोझ पड़ा है उसकी भरपाई के लिए आईबीए ने अब वित्त मंत्रालय से भरपाई करने को कहा है। उच्चतम न्यायालय के मार्च के निर्णय में बैंकों को निर्देश दिया गया कि दो करोड़ रुपए से अधिक के किस्त भुगतान से रोक का लाभ उठाने वाले कर्ज खातों में चक्रवृद्धि ब्याज से छूट दी जानी चाहिए। इससे कम राशि के कर्ज खातों को पिछले साल नवंबर में ही ब्याज पर ब्याज से छूट दी जा चुकी है।

वित्त मंत्रालय ने नहीं दी कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया

वर्ष 2020-21 में कर्ज भुगतान पर रोक के दौरान ब्याज पर ब्याज छूट समर्थन योजना से सरकारी खजाने पर 5,500 करोड़ रुपए का बोझ पड़ा है। यह योजना उन कर्जदारों पर भी लागू होती है जिन्होंने किस्त भुगतान पर रोक का लाभ नहीं उठाया। विभिन्न बैंक इस आर्डर को पूरा करने के लिए विभिन्न स्तरों पर काम में लगे हुए हैं। पंजाब एण्ड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक एस कृष्णन ने कहा कि ब्याज पर ब्याज से छूट के कारण बैंक पर करीब 30 करोड़ रुपए का बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस छूट की भरपाई के मुद्दे को सरकार के समक्ष आईबीए द्वारा उठाया जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने उनके आग्रह पर क्या कोई प्रतिक्रिया दी है, इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''अब तक इस बारे में कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं सुनाई दी है। सूत्रों का कहना है कि उच्चतम न्यायालय का निर्णय इस बार केवल उन्हें कर्जदारों तक सीमित है जिन्होंने किस्त भुगतान से छूट का लाभ उठाया है।

इसलिए बैंकों पर पड़ने वाला बोझ 2,000 करोड़ रुपए से कम रह सकता है। रिजर्व बैंक ने पिछले साल कोरोना वायरस महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के चलते 27 मार्च को बैंकों की कर्ज किस्त के भुगतान पर रोक लगाने की घोषणा की थी। शुरुआत में यह रोक एक मार्च से 31 मई 2020 की अवधि के लिए घोषित की गई जिसे बाद में आगे बढ़ाकर 31 अगस्त कर दिया गया।

उच्चतम न्यायालय ने इस साल 23 मार्च को दिए गए अपने फैसले में कहा कि पिछले साल छह महीने की रोक अवधि के दौरान कोई भी ब्याज पर ब्याज अथवा दंडात्मक ब्याज कर्जदारों से नहीं लिया जाएगा। यदि कोई ब्याज इस तरह का लिया गया है तो उसे रिफंड अथवा समायोजित किया जाना चाहिये। हालांकि, शीर्ष अदालत ने किस्त भुगतान की रोक अवधि को 31 अगस्त से आगे नहीं बढ़ाने के फैसले में किसी तरह का हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि यह नीतिगत निर्णय है वह इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगी।

जेपी इंफ्राटेकः एनबीसीसी ने प्रस्ताव खारिज किए जाने पर उठाए सवाल, कानूनी कदम उठाने की धमकी दी

नई दिल्ली (एजेंसी):

सरकारी कंपनी एनबीसीसी ने जेपी इंफ्राटेक दिवाला मामले में अपने प्रस्ताव को भी मतदान में शामिल किए जाने की मांग की है। कंपनी ने अपने संशोधित प्रस्ताव को ठुकराए जाने के दो दिन बाद अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाया और कहा है कि उसकी बात नहीं सुनी गयी तो वह कानूनी कदम उठाएगी। आईआरपी ने घोषित किया था कि निर्माण क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी के प्रस्ता को दिवाला संहिता के अनुरूप नहीं हैं।

उल्लेखनीय है कि एनबीसीसी कर्ज में डूबी जमीन-जायदाद क्षेत्र की कंपनी जेपी इंफ्राटेक को दिवाला प्रक्रिया के तहत अधिग्रहीत करने की होड़ में थी। उसका मुकाबला इसी क्षेत्र के सुरक्षा समूह से था। एनबीसीसी ने आईआरपी को पत्र लिख कर कहा है कि उसका प्रस्ताव विधि सम्मत और वह अच्छी तरह जानती है कि उसे कानून के तहत क्या करना है तथा उसकी जिम्मेदारियां क्या हैं। जेपी इंफ्राटेक की रिणदाता समिति ने दरअसल बीस मई को सुरक्षा समूह के प्रस्ताव पर अगले सप्ताह कर्जदाताओं के बीच मतदान प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। समिति ने एनबीसीसी के प्रस्ताव को दिवाला कानून के कुछ प्रावधानों के अनुरूप नहीं पाए जाने का हवाले देकर खारिज कर दिया था। अधिग्रहण के लिए मतदान अगले सप्ताह सोमवार को शुरू होगा और गुरुवार तक चलेगा। एनबीसीसी ने जेपी इंफाटेक के आईआरपी अनुज जैन को लिखे पत्र में रिणदाता समिति के निर्णय प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यदि उसकी बोली पर विचार नहीं किया गया तो वह उचित कानून मंच से संपर्क करेगा। एनबीसीसी की बोली को कॉर्पोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया के चौथे दौर में खारिज कर दिया गया था। कंपनी ने कहा, ''आईआरपी ने अपने अधिकारी क्षेत्र से बाहर जा कर यह निर्णय लिया है और उसने प्रस्ताव के प्रावधानों का गलत तरीके से समझा है। कंपनी ने कहा है कि एनबीसीसी के प्रस्ताव को नियमों के अनुरूप नहीं करार दे कर आपने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित अपने क्षेत्राधिकार को पार कर लिया है। एनबीसीसी के अनुसार आईआरपी का काम रिणदाता समिति की मदद करना है न कि यह तय करना कि प्रस्ताव कानून के नियमों के अनुरूप है या नहीं।

कोविड के ग्राफ से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई (एजेंसी):

कोविड-19 के संक्रमण की रफ्तार सुस्त पड़ने और सक्रिय मामलों में कमी से घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह जबरदस्त तेजी रही। आने वाले सप्ताह में भी बाजार की नजर कोविड के ग्राफ पर रहेगी। महामारी के नए मामलों में गत एक सप्ताह के दौरान खासी कमी आई है हालांकि अब भी हर दिन सबसे अधिक मामले भारत में आ रहे हैं। ये घटकर ढाई लाख के आसपास रह गए हैं। सक्रिय मामलों में भी कमी आने से विभिन्न राज्यों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में ढील दिए जाने की उम्मीद बंधी है। निवेशकों में विश्वास जगा है कि अर्थव्यवस्था तेजी से वापसी करेगी। कोविड-19 के मामलों में इसी तरह गिरावट बनी रही तो शेयर बाजार का ग्राफ ऊपर की ओर जा सकता है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बाजार में चौतरफा लिवाली रही। बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों में निवेशकों ने जमकर पैसा लगाया। प्रमुख सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी के लिए बीता सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स अंततः 1,807.93 अंक यानी 3.71 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ 50,540.48 अंक पर पहुंच गया। पांच में से तीन कारोबारी दिवस सेंसेक्स में तेजी रही जबकि बुधवार और गुरुवार को यह लाल निशान में बंद हुआ था। निफ्टी का ग्राफ भी सेंसेक्स जैसा ही रहा। यह 497.50 अंक यानी 3.39 प्रतिशत की बढ़त में सप्ताहांत पर 15,175.30 अंक पर बंद हुआ। बीएसई में मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक पांचों दिन बढ़त के साथ बंद हुए। पूरे सप्ताह के दौरान मिडकैप 899.75 अंक यानी 4.39 प्रतिशत चढ़कर 21,485.75 अंक पर पहुंच गया। स्मॉलकैप भी 929.86 अंक यानी 4.19 फीसदी की साप्ताहिक मजबूती के साथ 23,130.40 अंक पर बंद हुआ।

कोरोना मामले कम होने से बढ़ने लगी हवाई यात्रियों की संख्या

(एजेंसी):

कोविड-19 के संक्रमण की रफ्तार कम होने के साथ ही देश में हवाई यात्रियों की संख्या एक बार फिर बढ़ने लगी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को 819 उड़ानों में 56,900 यात्री अपने गंतव्यों के लिए रवाना हुए। महामारी की दूसरी लहर के कारण 18 मई को यात्रियों की संख्या घटकर 40 हजार से नीचे रह गई थी।

उस दिन 641 उड़ानों में 39,370 लोगों ने सफर किया था लेकिन इसके बाद इसमें नियमित रूप से सुधार हो रहा है। गत 19 मई को 707 उड़ानों में 45,532 यात्री, 20 मई को 725 उड़ानों में 48,197 यात्री और 21 मई को 761 उड़ानों में 49,819 यात्री रवाना हुए। एक समय कोविड-19 के हर रोज चार लाख से अधिक मामले सामने आ रहे थे। अब इसमें तेजी से गिरावट आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के रविवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में करीब 2.41 लाख नये मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। दूसरी लहर के सुस्त होने के साथ अब अधिक लोग हवाई यात्रा कर रहे हैं। हालांकि शनिवार का 56 हजार 900 यात्रियों आंकड़ा इस साल फरवरी और मार्च के दैनिक औसत से काफी कम है। फरवरी में हर दिन औसतन 2.80 यात्रियों ने विमान में सफर किया था। मार्च में यह औसत घटकर 2.50 लाख और अप्रैल में 1.91 लाख पर आ गया था। पिछले साल 25 मार्च से दो महीने के लिए देश में नियमित यात्री उड़ानें पूरी तरह बंद रही थीं। उसके बाद 25 मई 2020 से घरेलू मार्गों पर नियमित उड़ानें दुबारा शुरू की गई थीं। इस साल फरवरी तक हर महीने यात्रियों की संख्या पिछले महीने की तुलना में बढ़ी थी जबकि इसके बाद लगातार तीन महीने इसमें गिरावट आई है।

संजीव गुप्ता के ब्रिटिश कारोबार के लिए सज्जन जिंदल की कंपनी लगा सकती है बोली

(एजेंसी)

भारत की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक **JSW Steel** ब्रिटेन में संजीव गुप्ता की लिबर्टी स्टील को खरीदने के लिए बोली लगाने पर विचार कर रही है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सूत्रों के हवाले से मिली है। **JSW** की यह रुचि ब्रिटेन की स्टील इंडस्ट्री के लिए एक नया चैप्टर लिख सकता है। ब्रिटेन की स्टील इंडस्ट्री का निजीकरण कर दिया गया है और विदेशी खरीदारों को बेच दिया गया है। हालांकि शनिवार को एक बयान में **JSW** स्टील ने कहा कि उसका फोकस अभी भारत में ही बना हुआ है और किसी विदेशी एसेट्स को खरीदने की संभावना कंपनी नहीं तलाश रही है।

कौन हैं संजीव गुप्ता

संजीव गुप्ता भारतीय मूल के ब्रिटिश बिजनेसमैन हैं और लिबर्टी हाउस ग्रुप के फाउंडर हैं। वह ळस्नत्न अलायंस के सीईओ और चेयरमैन हैं। ळस्नत्न अलायंस मुख्य रूप से स्टील और माइनिंग इंडस्ट्रीज में परिचालन करती है। संजीव गुप्ता का कारोबार ग्लोबली बहुत फैला हुआ है। इसमें स्टील, एल्यूमीनियम, माइनिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, रियल एस्टेट सेक्टर की सैकड़ों प्राइवेट कंपनियां शामिल हैं। गुप्ता को ब्रिटेन में स्टील का तारनहार कहा जाता है। उन्होंने आर्थिक रूप से वंचित क्षेत्रों में संकटग्रस्त संपत्तियां खरीदीं। उनके ग्रुप में 35000 वर्कर हैं, जिनमें से 5000 ब्रिटेन में हैं। गुप्ता के ग्रुप का सालाना रेवेन्यु 20 अरब डॉलर है। हाल ही में टाटा स्टील ने मिस्ड पेमेंट्स को लेकर संजीव गुप्ता की 3 मेटल यूनिट्स पर 1.1 करोड़ डॉलर का मुकदमा दायर किया है। यह मुकदमा साल 2017 में हुए सौदे पर केन्द्रित है। 2017 में टाटा के स्पेशियलिटी स्टील बिजनेस की बिक्री लिबर्टी हाउस ग्रुप को हुई थी। यह सौदा 13.9 करोड़ डॉलर का रहा था। टाटा स्टील के वकीलों ने यूके हाई कोर्ट में दाखिल किए डॉक्युमेंट्स में कहा है कि लिबर्टी हाउस ग्रुप ने टाटा स्टील की यूके शाखा को बताया है कि ग्रुप मई 2020 से ही मुश्किलों से जूझ रहा है, जब कोविड19 महामारी के कारण स्टील की मांग को बड़ा झटका लगा था। ग्रीनसिल कैपिटल, गुप्ता के कारोबार के लिए सबसे बड़ी लेंडर थी। ग्रीनसिल कैपिटल के दिवालिया होने के बाद संजीव गुप्ता का कारोबार अब फंडिंग तलाश रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज मुश्किल में, इस टीम के तीन सदस्य कोविड से संक्रमित

ढाका । बांग्लादेश के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से कुछ घंटे पहले श्रीलंकाई दल के तीन सदस्यों को कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया है। श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेलनी है। दूसरा मैच 25 मई जबकि तीसरा और अंतिम मैच 28 मई को खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, ''बांग्लादेश के खिलाफ ढाका में होने वाले पहले वनडे से पूर्व श्रीलंका के दो खिलाड़ियों और कोच का कोविड-19 का परीक्षण पॉजिटिव आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मैच को रद्द करने की संभावना से इन्कार किया है। कुछ अन्य रिपोर्टों के अनुसार जिस कोच का परीक्षण पॉजिटिव पाया गया है वह गेंदबाजी कोच चमिंडा वास हैं जबकि खिलाड़ी इसुरू उदाना और शिरन फर्नांडो हैं। यह तीन मैचों की श्रृंखला विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है।

यूरोपीय चैंपियनशिप मे एमक्यूएस वर्ग में निशाना लगाएंगे भारतीय निशानेबाज

आठ भारतीय निशानेबाज सोमवार को यहां यूरोपीय चैंपियनशिप में भाग लेंगे

ओसियेक (एजेंसी)।

ओलंपिक की तैयारियों में लगे कम से कम आठ भारतीय निशानेबाज सोमवार को यहां यूरोपीय चैंपियनशिप में भाग लेंगे। भारतीय टीम इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में आमंत्रित मेहमान के रूप में भाग ले रही लेकिन वे न्यूनतम क्वालीफिकेशन स्कोर (एमक्यूएस) में ही निशाना साधेंगे और इसलिए फाइनल्स के लिये क्वालीफाई करने के लिए उनके स्कोर पर विचार नहीं किया जाएगा। इस तरह से भारतीय निशानेबाज इस टूर्नामेंट में पदक की दौड़ में नहीं रहेंगे लेकिन इससे उन पर असर नहीं पड़ता क्योंकि उन्हें तोक्यो ओलंपिक से पहले कम से कम स्वयं को प्रतिस्पर्धी माहौल में परखने का मौका तो मिलेगा। भारत के तीन निशानेबाज दीपक कुमार, दिव्यांश सिंह पंवार और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल में 12 अन्य प्रतिभागियों के साथ हिस्सा लेंगे। कुमार और दिव्यांश जहां तोक्यो खेलों में भी हिस्सा लेंगे वहीं युवा तोमर को रिजर्व के रूप में टीम में चुना गया है।अपूर्वी चंदेला और इलावानिल वलारिवान महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में 12 अन्य प्रतिभागियों के साथ भाग लेंगी। अभिषेक वर्मा और सौरभ चौधरी पुरुषों के 10 मीटर एयर पिस्टल में विभिन्न देशों के नौ अन्य निशानेबाजों के साथ प्रतिस्पर्धा पेश करेंगे। मनु भाकर और यशस्विनी सिंह देशवाल महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में छह अन्य प्रतिभागियों के साथ हिस्सा लेंगी। भारत के ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके 13 निशानेबाज शनिवार को क्रोएशिया की राजधानी जगरेब पहुंचे थे जो कि ओलंपिक से पहले टीम का अभ्यास केंद्र है। भारतीय निशानेबाज पुरुष और महिला वर्ग में व्यक्तिगत ओलंपिक स्पर्धाओं में भाग लेंगे। अंजुम मोदगिल दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन) में हिस्सा ले सकती है। भारत के कुल 15 निशानेबाजों ने ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया है। इनमें से स्कीट निशानेबाज मैराज खान और अंगद बाजवा अभी इटली में अभ्यास कर रहे हैं।

फीफा प्रमुख ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बड़े बदलाव के दिए संकेत

जेनेवा (एजेंसी) ।

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेनटिनो ने शुक्रवार को महासंघों की बैठक के दौरान आगामी वर्षों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बड़े बदलावों के संकेत दिए। फीफा ने पुरुष और महिला विश्व कप का आयोजन हर चार साल के बजाय दो साल में करने के प्रस्ताव का अध्ययन करने पर सहमति जता दी है। सऊदी अरब ने हर दो साल में विश्व कप के आयोजन का प्रस्ताव रखा था। इस तरह का सुझाव इससे पूर्व 20 साल पहले फीफा के तत्कालीन अध्यक्ष सेप ब्लाटर ने रखा था लेकिन तब इसे गंभीरता से नहीं लिया गया था। इन्फेनटिनो और उनके साथियों ने इस सुझाव को फिर से जीवंत किया जो कि अधिक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की वकालत करते रहे हैं। शुक्रवार को महिला और युवा प्रतियोगिताओं की समीक्षा करने पर सहमति जताई गई। प्रत्येक दो साल में विश्व कप का आयोजन करने से यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूएफा की नेशन्स लीग प्रभावित होगी। इससे हर चार साल में होने वाली यूरोपीय चैंपियनशिप की व्यावसायिक स्थिति भी प्रभावित हो सकती है। इन्फेनटिनो ने सुपर लीग जैसी नयी परियोजनाओं पर क्लबों के साथ बात करने का भी बचाव किया। इस लीग के कारण यूएफा में पिछले महीने कोहराम मच गया था और आखिर में यह योजना ठंडे बस्ते में डालनी पड़ी थी। फीफा के 211 सदस्य महासंघों की आनलाइन बैठक के दौरान इन्फेनटिनो ने यह भी कहा कि इस खेल में यूरोप और दक्षिण अमेरिका का मैदान के अंदर और बाहर का दबदबा समाप्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पैसे और खिलाड़ियों के कौशल का दबदबा है जो कि खेल के वैश्विक विकास के लिये सही नहीं है। हम इसे अनदेखा नहीं कर सकते हैं। हम दुनियाभर में समान अवसर नहीं देखते हैं।

अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड ने दूसरी बार स्थगित की मेजर लीग

न्यूयॉर्क। अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड ने कोरोना महामारी के खतरे को देखते हुए यहां इस वर्ष लॉन्च होने वाले मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) टी-20 टूर्नामेंट को साल 2023 तक के लिए स्थगित कर दिया है। इस लीग को दूसरी बार टाला गया है, हालांकि अमेरिकी क्रिकेट अधिकारियों का दावा है कि 2023 में छह टीमों के साथ लीग शुरू होने से पहले ही वह 2022 में एमएलसी टी-20 प्रदर्शनी मैच का आयोजन करने में सफल होंगे। गत वर्ष दिसंबर में यह खबर आई थी कि कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान ने अमेरिका की लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स टीम में निवेश किया है। वहीं कुछ महीने पहले अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड और एमएलसी ने संयुक्त रूप से इस लीग के निवेशकों की सूची के संबंध में एक विज्ञप्ति जारी की थी। इसके मुताबिक कोलकाता नाइट राइडर्स समूह ने भी इसमें रुचि दिखाई थी, जिसकी आईपीएल और सीपीएल में भी टीमें हैं। अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में लॉस एंजेलिस के अलावा न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, वॉशिंगटन डीसी, शिकागो, डलास की टीम भी शामिल हैं। अमेरिकी क्रिकेट ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित वार्षिक आम बैठक के दौरान शुरू की गई योजनाओं के हिस्से के रूप में चार नई घास वाली विकेट की सुविधा उपलब्ध कराने और अगस्त माह में सीनियर और अंडर-19 महिला टीमों के लिए घरेलू राष्ट्रीय चैंपियनशिप शुरू करने की योजना बनाने की भी घोषणा की है।

जापान में विरोध के बाद भी आईओसी प्रमुख बाक ने कहा-

तोक्यो ओलंपिक तय समय पर होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

जापान में कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक के विरोध के बावजूद भी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के प्रमुख थॉमस बाक ने शनिवार को कहा कि इन खेलों का आयोजन अपने तय समय पर होगा। आईओसी अध्यक्ष ने कहा कि अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट के कारण 2020 में एक साल के लिए स्थगित हुए ओलंपिक के आयोजन से यह संदेश जाएगा कि 'सुरंग के आखिर में अब भी प्रकाश है (कठिन परिश्रम के बाद आशा की किरण)। बाक ने ऑनलाइन तरीके से आयोजित अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के 47वें कांग्रेस में अपने संबोधन के दौरान यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि तोक्यो (ओलंपिक) के शुरू होने में काफी कम समय बचा है। उसकी उलटी गिनती शुरू हो गई है। इस कठिन समय के दौरान, हमें जूझारूपन,विविधता में एकता का एक मजबूत संदेश भेजने की जरूरत है। तोक्यो हमें सुरंग के आखिर में रोशनी दिखाएगा। बाक की टिप्पणी से पहले आईओसी के उपाध्यक्ष जॉन कोट्स ने भी कहा कि महामारी के कारण शहर में आपतकाल लागू होने के बाद भी तोक्यो खेलों का आयोजन होगा। आईओसी का यह रुख कोविड से प्रभावित दुनिया में खेलों की मेजबानी की चुनौतियों को स्वीकार करता है। जापान के ज्यादातर नागरिक खेलों की मेजबानी के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि महामारी के दौर में इससे देश के चिकित्सा बुनियादी ढांचे पर और दबाव पड़ने की संभावना है लेकिन आईओसी अपने फैसले पर अडिग है।

बाक ने विश्वास व्यक्त किया कि पिछले साल स्थगित हुए खेलों को स्थानीय आयोजकों के साथ, आईओसी सुरक्षित आयोजन में सक्षम होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमें जापान के अपने सहयोगियों के साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे एथलीट एक साथ आएं और सुरक्षित वातावरण में प्रतिस्पर्धा करें। 70 प्रतिशत से अधिक एथलीटों और अधिकारियों को पहले ही टीका लगाया जा चुका है और यह संख्या समय के साथ और बढ़ेगी। हमें टीकाकरण के लिए तीन वैक्सीन उत्पादकों से भी प्रस्ताव मिले हैं। आईओसी प्रमुख ने कहा कि ओलंपिक सपनों को पूरा करने के लिए सब को कुछ त्याग करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

एवरेस्ट पर पहुंचा कोरोना वायरस, 100 से अधिक पर्वतारोही पाए गए संक्रमित

काठमांडू । कोरोना वायरस ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर भी अपने पांव पसार दिये हैं। पर्वतारोहण से जुड़े एक विशेषज्ञ के अनुसार कम से कम 100 पर्वतारोही और सहयोगीकर्मी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए है हालांकि नेपाल के अधिकारियों ने इससे इन्कार किया है। ऑस्ट्रिया के लुकास फर्टनबाक वायरस के डर के कारण पिछले सप्ताह अपना एवरेस्ट अभियान रोकने वाले एकमात्र प्रमुख पर्वतारोही थे। उन्होंने शनिवार को कहा कि उनका विदेशी गाइड और छह नेपाली शेरपा गाइड का परीक्षण पॉजीटिव आया है। फर्टनबाक ने नेपाल की राजधानी काठमांडू में एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'हम अब सभी पुष्ट मामलों के बारे में जानते हैं। बचाव दल, बीमा कंपनियों, चिकित्सकों, पर्वतारोहण से जुड़े लोगों से इसकी पुष्टि की गयी है। मेरे पास पॉजिटिव पाये गये मामलों की सूची है, इसलिए हम इसे साबित कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास कम से कम 100 ऐसे लोगों की सूची है जिन्हें आधार शिविर में कोविड के लिये पॉजिटिव पाया गया है। यह संख्या 150 या 200 के करीब हो सकती है।' फर्टनबाक ने कहा कि एवरेस्ट आधार शिविर में कई मामले थे क्योंकि उन्होंने स्वयं लोगों को बीमार देखा और लोगों को अपने तंबूओं के अंदर से खांसते हुए सुना। इस सत्र में कुल 408 विदेशी पर्वतारोहियों को एवरेस्ट पर चढ़ने की अनुमति दी गई थी। उनके साथ सैकड़ों शेरपा और सहयोगीकर्मी भी रहते हैं जो कि अप्रैल से ही आधार शिविर में रह रहे हैं। नेपाल के पर्वतारोहण विभाग से जुड़े अधिकारियों ने हालांकि इस सत्र में आधार शिविर में पर्वतारोहियों और सहयोगीकर्मियों में किसी सक्रिय मामले से इन्कार किया है। महामारी के कारण पिछले साल पर्वतारोहण पर रोक लगी थी।

सीपीएल 2021 : जमैका तलावाहास ने रसेल को किया रिटेन

सेंट किट्स एंड नेविस। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2021 के आगामी सीजन में जमैका तलावाहास ने आलराउंडर आंद्रे रसेल को अपनी टीम में बरकरार रखा है। सीपीएल 2021 का आयोजन 28 अगस्त से 19 सितंबर तक होगा। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, रसेल 2013 से ही जमैका तलावाहास का हिस्सा बने हुए थे, लेकिन पिछले सीजन में रसेल और टीम के बीच रिश्तों में कुछ खटास की खबरें आई थीं। रसेल के अलावा कार्लोस ब्रैथवेट और रोवमन पॉवेल भी जमैका तलावाहास में होंगे। इस सीजन में 33 मैच खेले जाएंगे और सभी मैचों का आयोजन सेंट किट्स एंड नेविस में होगा। वहीं, त्रिनिबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेलने वाले ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो इस सीजन में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की ओर से खेलेंगे। नाइट राइडर्स ने अपनी मुख्य टीम को बरकरार रखा है, जिसमें उनके स्पिनर सुनील नरेन, अकील होसेन और खैरी पियरे शामिल हैं। हालांकि टीम ने न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम सिफर्ट को रिलीज कर दिया है। उनकी जगह दिनेश रामदीन को वापस लाया गया है।

एशिया कप 2023 तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इस साल होने वाले एशिया कप को आधिकारिक रूप से 2023 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना वायरस के बढ़ते मामले और लॉजिस्टिक चुनौतियों को देखते हुए एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) को इस टूर्नामेंट स्थगित करना पड़ा है। एसीसी ने बयान में कहा, कोरोना के कारण खतरे और प्रतिबंधों को देखते हुए एसीसी कार्यकारी बोर्ड ने एशिया कप 2021 को स्थगित करने का फैसला लिया है। एसीसी ने प्रतिभागियों और साझेदारों के साथ काम कर इस टूर्नामेंट को इसी साल कराने की कोशिश की थी। परिषद ने कहा, व्यस्त एफटीपी के कारण इस साल इस टूर्नामेंट को कराने के लिए कोई विंडो उपलब्ध नहीं है। इस कारण बोर्ड को एशिया कप के इस सीजन को स्थगित करना पड़ा है।

इस सीजन को अब 2023 में कराया जाएगा क्योंकि 2022 में पहले से ही एशिया कप का आयोजन होना है। इसकी तारीख की पुष्टि भविष्य में की जाएगी। एशिया कप को पहले पिछले साल सितंबर में होना था लेकिन कोरोना के कारण इसे उस समय स्थगित कर 2021 में कराने का फैसला किया गया था।

एशिया कप का आयोजन श्रीलंका में जून में होना था। भारत ने 2018 में संयुक्त अरब अमीरात में रोहित शर्मा की कप्तानी में आखिरी बार एशिया कप जीता था।

दुबई के परिणामों का दोहा में कोई असर नहीं पड़ेगा : गोलकीपर संधू

दोहा (एजेंसी)।

भारतीय फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा है कि दुबई में मार्च में हुए अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैचों के परिणाम का 2022 फीफा विश्व कप और 2023 एएफसी एशिया कप चीन के लिए तीन जून से शुरू होने वाले क्वालीफायर्स पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कोविड के कारण लंबे ब्रेक के बाद वापसी करने वाली भारतीय टीम ने मार्च में दो अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैचों में ओमान से 1-1 से ड्रा खेला था लेकिन यूएई के हाथों उसे 0-6 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। संधू ने कहा, हम उन मैचों के बारे में जितना कम सोचेंगे उतना ही बेहतर होगा। यह बीती हुई बातें हैं। लेकिन जो कुछ हुआ उसको याद रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पता चलता है कि हमें किन विभागों में काम करने की जरूरत है। हमारे सामने तीन कोरी स्लेट हैं और उन पर क्या लिखना है, यह हम पर निर्भर है। भारत को तीन जून को एशियन चैंपियंस कतर के खिलाफ, सात जून को बांग्लादेश के खिलाफ और 15 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ अपने मुकाबले खेलने हैं । ये तीनों मैच दोहा के जेसिम बिन हमाद स्टेडियम में खेले जाएंगे। कैंप के लिए चुनी गई 28 सदस्यीय संभावित टीम में ग्लैन मार्टिस एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्हें पहली बार नेशनल टीम कैंप में शामिल किया गया है। ग्रुप-ई में फिलहाल भारत के तीन मैचों में तीन अंक है। डिफेंडर प्रीतम कोटाल ने कहा, दुबई और दोहा की परिस्थितियां पूरी तरह से अलग हैं। दुबई में हमने दो अलग टीमों के साथ दो मैच खेले। हमने तब लगभग 16 महीने के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की थी। इन दो मैचों से हमें अपने सभी नकारात्मक पक्षों पर काम करने का मौका मिला। जून में परिणाम निश्चित तौर पर हमारे अनुकूल होंगे। भारतीय स्ट्राइकर मानवीर सिंह ने कहा कि दुबई में मिली जुली परिणाम से दोहा में टीम को मदद मिलेगी।

लेवांडोवस्की ने बुंदेसलीगा में सर्वाधिक गोल कर 49 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

बर्लिन। पोलैंड नेशनल टीम के कप्तान रोबर्ट लेवांडोवस्की जर्मन लीग बुंदेसलीगा में एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। बुंदेसलीगा में बायर्न म्यूनिख के लिए खेलने वाले लेवांडोवस्की ने इस सीजन में लीग में अपना 41वां गोल दागा। 32 साल के लेवांडोवस्की ने शनिवार को ऑग्सबर्ग के खिलाफ मिली 5-2 की जीत में 90 वें मिनट में गोल कर अपने ही क्लब के पूर्व फुटबालर गेरार्ड मूलर का बुंदेसलीगा में एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ा। मूलर ने 1971-72 के बंदुसेलीगा सीजन में 40 गोल किए थे। पिछले सीजन में 34 गोल दागने वाले पोलैंड के स्ट्राइकर लेवांडोवस्की इस सीजन में 33 में से पांच मैच नहीं खेल पाए थे। पहले ही लगातार नौवीं बार बुंदेसलीगा ट्रॉफी जीत चुकी बायर्न म्यूनिख ने 34 मैचों में 78 अंकों के साथ सीजन का समापन किया।

ICC टी20 विश्व कप की इनामी राशि भारतीय महिला टीम को इस हफ्ते मिलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी) :

आस्ट्रेलिया में पिछले साल हुए टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों को इस हफ्ते के अंत तक पांच लाख डॉलर की इनामी राशि में अपना हिस्सा मिलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी जब पता चला कि खिलाड़ियों को अब तक भुगतान नहीं किया गया है। एक खबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर संघों के महासंघ (फिक्का) के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया कि बीसीसीआई ने पिछले साल फरवरी-मार्च में हुई इस वैश्विक प्रतियोगिता में उप विजेता बनने के लिए मिली इनामी राशि को अब नहीं दिया है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत की अगुआई हरमनप्रीत कौर ने की थी। भारतीय टीम को फाइनल में आस्ट्रेलिया के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्यों को इस हफ्ते के अंत तक इनामी राशि का अपना हिस्सा मिलेगा। प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और मुझे उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही उनका हिस्सा मिलेगा। विलंब के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि हमें पिछले साल अंत में इनामी राशि मिली थी। बीसीसीआई में सभी टीमों (सभी आयु वर्ग) के खिलाड़ियों के भुगतान में तीन से चार महीने का समय लगता है। पिछले साल से हालांकि मुंबई में बीसीसीआई का मुख्यालय देश भर में कोविड-19 की खराब स्थिति के कारण बंद है जिससे सभी भुगतान में विलंब हुआ है। राज्य इकाई से जुड़े बीसीसीआई के पूर्व पदाधिकारी ने कहा कि सिर्फ महिला टीम का भुगतान नहीं है। पुरुष टीम का केंद्रीय अनुबंध, अंतरराष्ट्रीय मैच फीस, पुरुष और महिलाओं की घरेलू मैच फीस, मौजूदा स्थिति के कारण सभी में समय लग रहा है। यहां तक की कोविड से जुड़ी स्थिति खराब होने से पहले भी घरेलू सत्र मार्च में खत्म हुआ और पूरा भुगतान सितंबर तक ही होता। इस मामले में आपको देखना होगा कि बीसीसीआई को भुगतान कब हुआ। अगर उन्हें टूर्नामेंट के ठीक बाद हुआ तो यह विलंब है लेकिन प्रक्रिया में कुछ समय लगता है। जहां तक मेरी जानकारी है, पुरुषों और महिलाओं दोनों के साथ ऐसा है।

एमिलिया-रोमाग्ना ओपन में कोको को दोहरी सफलता

पारमा (इटली)। अमेरिकी किशोरी कोको गॉफ ने शनिवार को पारमा में दोहरी सफलता हासिल करते हुए एमिलिया-रोमाग्ना ओपन का एकल और युगल खिताब जीत लिया। कोको ने पहले चीन की वांग कियांग को 6-1, 6-3 से हराकर एकल खिताब जीता और फिर कैटी मैक्नैले के साथ खेलते हुए युगल खिताब पर भी कब्जा किया। एकल की बात की जाए तो यह गॉफ के करियर का दूसरा डब्ल्यूटीए एकल खिताब है। दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी कोको को 48वीं रैंकिंग वाली चीनी खिलाड़ी की चुनौती से पार पाने में एक घंटे 14 मिनट का समय लगा। अमेरिकी खिलाड़ी ने यहां अपने खिताब के रास्ते में केवल एक सेट गंवाया। 17 वर्षीय कोको ने पिछले एक पखवाड़े में इटली में क्ले कोर्ट पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पिछले हफ्ते इटैलियन ओपन में सेमीफाइनल में भाग लेने के साथ ही इस सप्ताह खिताबी जीत हासिल की। कोको ने अब टूर पर अपने पिछले 26 मैचों में से 20 जीते हैं । इसके विपरीत, कोको ने 2019 और 2020 में संयुक्त रूप से 21 मैच जीते थे। युगल के फाइनल में कोको और कैटी ने क्रोएशिया की दारिजा जुराक और स्लोवेनिया की आंद्रेजा क्लेपाक को 6-3, 6-2 से हराया। कोको ने युगल खिताब जीतने के बाद कहा, मुझे लगता है कि पूरे सप्ताह मैं बस इसके बारे में सोच रही थी खासकर जब हम सेमीफाइनल में पहुंचे तब तो यह हमारी सोच में बस गया। मेरे लिए एकल और युगल दोनों खिताब जीतना बहुत अच्छा अनुभव रहा। 17 साल और 70 दिन की उम्र में, कोको एक इवेंट में एकल और युगल खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। कोको ने रूस की मारिया शारापोवा द्वारा 2004 बर्मिंघम में बनाए गए रिकार्ड को पीछे छोड़ा, जब 17 साल, 55 दिन की उम्र में शारापोवा ने दोनों खिताब जीते थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने ज्वालामुखी फटने की आशंका के मद्देनजर क्षेत्र से निकलने का कोई आदेश नहीं दिया था

कांगो में फटा ज्वालामुखी, इंडियन आर्मी ने जान की बाजी लगाकर बचाए लोग

(एजेंसी):

कांगो के गोमा शहर के नजदीक स्थित ज्वालामुखी माउंट नीरागोंगो शनिवार को फट गया जिससे पूरा आसमान लाल रंग का हो गया और लावा बहकर सड़कों पर आ गया। ज्वालामुखी फटने से शहर के लोग दहशत में आ गए और घरों से भागे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि गोमा को एक अन्य प्रांत से जोड़ने वाले एक राजमार्ग पर लावा पड़ा है। अभी यह साफ नहीं हो सका है कि ज्वालामुखी फटने से कितने लोगों की जान गई है।यह ज्वालामुखी पिछली बार वर्ष 2002 में फटा था तब यहां सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी और लावा हवाईअड्डे के सभी रनवे पर पहुंच गया था। संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षा मिशन की ओर से ज्वालामुखी फटने के बाद की शहर की तस्वीर ट्वीट की गई। उसने कहा कि वह अपने विमानों के जरिए क्षेत्र पर नजर रख रहा है। कांगो में संयुक्त राष्ट्र मिशन के हिस्से के रूप में भारतीय सेना की टुकड़ी ने जान की बाजी लगा कर ज्वालामुखी प्रभावित गोमा टाउन में नागरिकों और संयुक्त राष्ट्र के अन्य कर्मियों को निकाला और सुरक्षा की सुविधा प्रदान की। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने ज्वालामुखी फटने की आशंका के मद्देनजर क्षेत्र से निकलने का कोई आदेश नहीं दिया था। यह ज्वालामुखी पिछली बार वर्ष 2002 में फटा था तब यहां सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी और लावा हवाईअड्डे के सभी रनवे पर पहुंच गया था। संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षा मिशन की ओर से ज्वालामुखी फटने के बाद की शहर की तस्वीर ट्वीट की गई। उसने कहा कि वह अपने विमानों के जरिए क्षेत्र पर नजर रख रहा है। मिशन की ओर से कहा गया, ''ऐसा लगता नहीं है कि लावा गोमा शहर की ओर बढ़ रहा है, फिर भी हम सतर्क हैं। हालांकि ज्वालामुखी फटने के बाद दहशत में आए हजारों लोग शहर से चले गए हैं।

जापान के सैन्य खर्च बढ़ाने की योजना पर तिलमिलाया चीन, दी धमकी

बीजिंग (एजेंसी):

चीन का मुकाबला करने के लिए सैन्य खर्च बढ़ाने की जापान की योजना पर बीजिंग ने चिंता व्यक्त की है और अपने पड़ोसी देश पर इस क्षेत्र में सैन्य तनाव भड़काने का आरोप लगाया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने शुक्रवार को जापान पर हथियारों की होड़ की वकालत करने का आरोप लगाया। दरअसल जापानी रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने बुधवार को निक्केई एशिया के साथ एक साक्षात्कार में कहा था कि देश चीन की बढ़ी हुई क्षमताओं का मुकाबला करने के लिए रक्षा खर्च को लेकर मौलिक रूप से अलग दृष्टिकोण अपना सकता है । नोबुओ किशी ने कहा कि बीजिंग को सबक सिखाने के लिए जापान सैन्य खर्च बढ़ाने की योजना बना रहा है। जापान के इस बयान पर कड़ा एतराज जताते हुए चीन ने कहा कि , जापानी पक्ष ने हथियारों की होड़ की खुले तौर पर वकालत करने, क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाने, सैन्य टकराव को भड़काने और यहां तक कि ताइवान के सवाल और चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का प्रयास करने के लिए ये गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी की। प्रवक्ता ने अपने पड़ोसी को चेतावनी देते हुए कहा, जापान को इस मुद्दे पर ज्यादा तनाव नहीं

बढ़ाना चाहिए। चीन ने जापान को चेतावनी देते कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और एकता की रक्षा के लिए चीनी सरकार और सेना दृढ़ संकल्प । जापान को खुद चीन की यह प्रतिक्रिया ताइवान जलडमरूमध्य में शांति के महत्व पर जोर देने वाले जो बिडेन और योशीहिदे सुगा के एक संयुक्त बयान की पृष्ठभूमि में आई है।

इमरान के 'नया पाकिस्तान' में महंगाई से त्रस्त जनता को लगा एक और झटका

पेशावर (एजेंसी):

पाकिस्तान में महंगाई की मार झेल रही जनता को इमरान सरकार ने नया झटका दिया है। तेल की कीमतों, दैनिक उपयोग की वस्तुओं और फूड आइटम्स के दामों में बढ़ोतरी से त्रस्त जनता पर नया पाकिस्तान का दावा करने वाले प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार ने एक और हथौड़ा दे मारा है। संघीय कैबिनेट ने अब बिजली शुल्क बढ़ाने का फैसला लिया ।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान सरकार ने बिजली की दर 1.72 पर यूनिट बढ़ा दी है। इस फैसले पर शुक्रवार को कैबिनेट ने भी मुहर लगा दी है। पाकिस्तानी कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में 82 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि को मंजूरी दी है। वहीं, इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सरकार ने

समायोजन के लिहाज से प्रति यूनिट 90 पैसे की बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, बिजली टैरिफ में वृद्धि अक्टूबर 2021 से लागू की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले मार्च 2021 में नेशनल इलेक्ट्रिक पावर रेगुलेटरी अथॉरिटी (नेप्रा) ने बिजली दर में 89 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की थी। विवरण के अनुसार, लगभग 6.9 बिलियन रुपये अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने के लिए दरों में वृद्धि की गई थी। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, नेप्रा ने 25 फरवरी को सेंट्रल पावर परचेज एजेंसी (सीसीपीए) के बिजली की दर में वृद्धि के अनुरोध पर एक जन सुनवाई की थी।

इजरायल में लोगों ने फिलिस्तीन के साथ शांति का किया समर्थन

तेल अवीव (एजेंसी):

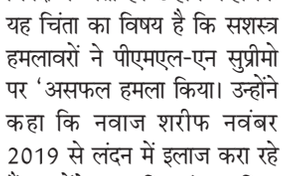

इजरायल के तेल अवीव में हजारों लोग फिलिस्तीन के साथ शांति का समर्थन करने के लिए एकत्रित हुए। एक मानवाधिकार संगठन ने रविवार को इसकी जानकारी दी। रैली का आयोजन मानवाधिकार संगठन शैलोम अच्शेव (पीस नाउ) ने किया। यह संगठन फिलिस्तीन-इजरायल संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता है। संगठन ने ट्विटर पर लिखा, ''तेल अवीव में हजारों लोगों ने समानता, शांति और फिलिस्तीनी-यहूदी साझेदारी का समर्थन किया। इजरायली मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मध्य तेल अवीव में हबीमा थियेटर के सामने हजारों लोग इकट्ठा हुये। जिन लोगों ने एकत्रित लोगों को संबोधित किया उनमें लेखक डेविड ग्रॉसमैन और इजरायल के वामपंथी और अरब दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता शामिल थे। इस दौरान लोगों ने फिलिस्तीन के साथ पूर्ण रूप से शांति समझौते का आह्वान किया।

नेपाल: संसद भंग करने के खिलाफ SC जाने की तैयारी में विपक्ष, बढ़ाई गई सुरक्षा

(एजेंसी):

नेपाल के प्राधिकारियों ने रविवार को उच्चतम न्यायालय की इमारत के आस-पास सुरक्षा कड़ी कर दी। मीडिया में आई खबर के मुताबिक अधिकारियों ने यह कदम राष्ट्रपति द्वारा प्रतिनिधि सभा को 'असंवैधानिक' तरीके से भंग करने के खिलाफ विपक्षी गठबंधन के नेताओं द्वारा शीर्ष अदालत में रिट याचिका दायर करने की तैयारी के बीच उठाया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने शनिवार को पांच महीने में दूसरी बार प्रतिनिधि सभा को भंग करने का आदेश जारी किया। उन्होंने अल्पमत की सरकार का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सलाह पर नवंबर में मध्यावधि चुनाव कराने की घोषणा की। उन्होंने प्रधानमंत्री ओली और विपक्षी गठबंधन के सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया। ओली और

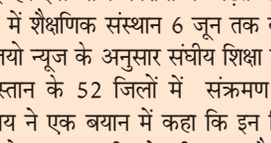

विपक्षी नेता शेर बहादुर देउबा ने अलग-अलग राष्ट्रपति से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। हिमालयन टाइम्स ने खबर दी कि विपक्षी गठबंधन के नेता अदालत का रुख करने की तैयारी कर रहे हैं, सुरक्षा बलों ने उच्चतम न्यायालय सिंहदरबार इलाके में निगरानी बढ़ा दी है। नेपाली पुलिस ने कहा कि इलाके में भीड़ और प्रदर्शन को रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कुछ राजनीतिक समूहों के लोगों 3को गिरफ्तार किया है जो सरकार के कदम के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन करने उतरे थे। खबर के मुताबिक नेपाली कांग्रेस, माओवादी केंद्र, उपेंद्र यादव नीत जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल और राष्ट्रीय जनमोर्चा के नेता रिट याचिका दायर करने के लिए सांसदों के हस्ताक्षर एकत्रित कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर सत्तारूढ़ सीपीएन-यूएमएल के माधव नेपाल, झालानाथ खनाल गुट के नेताओं के भी याचिका पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है।

लंदन में नवाज पर हमले की कोशिश व ऑफिस में तोड़फोड़, शक की सुई इमरान सरकार पर

लंदन (एजेंसी):

ब्रिटन में इलाज करवाने गए पाकिस्तान के पूर्व शरीफ पर हमले की कोशिश की गई जिसमें वे बाल-बाल बच गए। पीएमएल-एन के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि अज्ञात नकाबपोश लोगों ने लंदन में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बेटे के कार्यालय में हमला किया और तोड़फोड़ की । इसके पीछे पाकिस्तानी सरकार के करीबी लोगों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।शहबाज शरीफ के अनुसार चार नकाबपोश लोगों 'पूर्व प्रधानमंत्री पर हमला करने के इरादे से' हसन नवाज के कार्यालय में हमला किया। सभी मास्क पहने हुए थे। उन्होंने कहा कि 'यह बेहद निंदनीय, शर्मनाक और चिंताजनक है कि गुंडे लंदन में हसन नवाज के कार्यालय में हमला करने के इरादे से जबरन घुसे। भगवान का शुक्र है कि नवाज शरीफ हमले में सुरक्षित रहे। शहबाज शरीफ पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता हैं। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि सशस्त्र हमलावरों ने पीएमएल-एन सुप्रीमो पर 'असफल हमला किया। उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ नवंबर 2019 से लंदन में इलाज करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंदन पुलिस और संबंधित अधिकारियों को घटना की गहन जांच करनी चाहिए और दोषियों को कानून के अनुसार दंडित करना चाहिए।

मरियम नवाज ने इमरान सरकार पर साधा निशाना

वहीं नवाज की बेटी और पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने इमरान सरकार पर अप्रत्यक्ष निशाना साधते हुए एक ट्वीट में कहा, राजनीतिक हताशा और हार के सामने घोर आपराधिकता का सहारा लेना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ पाकिस्तान के लोगों की आवाज है और इसे चुप नहीं किया जाएगा, इंशाअल्लाह। अल्लाह आपकी रक्षा करे नवाज शरीफ। एक अन्य ट्वीट में, उन्होंने दावा किया कि हमले के पीछे उन लोगों का हाथ है, जिन्होंने उनके पिता के जीवन को 'खतरे में' रखा था, जबकि वह पाकिस्तान में नजरबंद

थे। लंदन में रहने वाले पीएमएल-एन के नेता नासिर बट ने पाकिस्तानी समाचार पत्र द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि नवाज कार्यालय में मौजूद थे जब चार लोग कार्यालय में दाखिल हुए और उन्होंने झूठा दावा किया कि वे पाकिस्तानी नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को बुलाए जाने के बाद नकाबपोश लोग कार्यालय से भाग गए ।

पाकिस्तान में सिंध के कई जिलों में 6 जून तक बंद रहेंगे स्कूल

पेशावर (एजेंसी)

पाकिस्तान में कोरोना वायरस का कहर जारी है। पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान में कोविड-19 संक्रमण के 4,007 नए मामले दर्ज किए गए। देश में अब तक कुल 897,468 केस दर्ज किए जा चुके हैं। नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर(NCOC) के अनुसार देश का पूर्वी पंजाब प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र है, जिसमें कुल 333,057 मामलों की पुष्टि हुई है। इसके बाद सिंध में संक्रमण के कुल 306,707 मामलें हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान में महामारी से 88 अन्य लोगों की मौत हो गई है। पिछले 24 घंटों में ताजा आंकड़ों के बाद कोविड से मरने वालों की संख्या बढ़कर 20,177 और ठीक होने वालों की संख्या 813,855 हो गई है। इस बीच कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सिंध के 12 जिलों में शैक्षणिक संस्थान 6 जून तक बंद करने का ऐलान किया गया है। जियो न्यूज के अनुसार संघीय शिक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान के 52 जिलों में संक्रमण दर 5 प्रतिशत से अधिक है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन जिलों में बदीन, दादू, हैदराबाद, जमशोरो, सुक्कुर, शहीद बेनजीराबाद और कराची के सभी जिले शामिल हैं। जिन जिलों में संक्रम दर कम है वहां 24 मई से स्कूल खुल जाएंगे। जियो न्यूज के मुताबिक, क्वेटा, बलूचिस्तान के अलाव टोबा टेक सिंह में भी 6 जून तक स्कूल बंद रहेंगे। जानकारी के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा के एबटाबाद, बन्नू, बुनेर, चारसद्दा, लोअर दीर, अपर दीर, हरिपुर, कोहाट, करम, मर्दन, नौशेरा समेत 14 जिलों में पॉजिटिव अनुपात सबसे ज्यादा है ।

ताइवान मुद्दे पर US-द.कोरिया सहयोग को सहमत, बाइडेन ने उ. कोरिया के लिए विशेष दूत किया नियुक्त

वाशिंगटन (एजेंसी)।

संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने 180 किलोमीटर चौड़े जलमार्ग में बढ़ते तनाव के बीच ताइवान जलडमरूमध्य मुद्दे पर सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है। ताइवान न्यूज ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन, जो अमेरिका की यात्रा पर हैं, ने शुक्रवार को द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान इस मुद्दे पर सहमति जताई। शिखर सम्मेलन के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक संयुक्त बयान में बाइडेन ने कहा कि दोनों देशों ने क्षेत्रीय स्थिरता के लिए दक्षिण चीन सागर में नेविगेशन की स्वतंत्रता और ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की । इस दौरान मून ने कहा कि दोनों देशों का विचार है कि ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण है, और हम चीन और ताइवान के बीच संबंधों में विशेष विशेषताओं पर विचार करते हुए उस मामले पर एक साथ काम करने के लिए सहमत हुए हैं। इस बीच जो बाइडन ने उत्तर कोरिया के लिए विशेष दूत के नियुक्ति का ऐलान किया। उन्होंने यह फैसला अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष मून जे इन से बात करने के बाद लिया। राष्ट्रपति बाइडन ने गुरुवार को दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे इन के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि राजनयिक सुंग किम अब उत्तर कोरिया (DPRK) में अमेरिका के विशेष दूत होंगे। DPRK यानि उत्तर कोरिया की समीक्षा के लिए बाइडन की टीम ने राष्ट्रपति मून की टीम से संपर्क किया। उन्होंने कहा, हालात को लेकर हम दोनों चिंतित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया, दोनों ही देश हालात को लेकर चिंतित हैं। हम इस व्यावहारिक कदम उठाने के लिए उत्तर कोरिया के साथ कूटनीतिक वार्ता चाहते हैं जिससे कोरियाई प्रायद्वीप को परमाणु मुक्त बनाने के हमारे लक्ष्य को हासिल करने की राह में बाधाएं कम हो।

खूंखार आतंकी संगठन बोको हरम के नेता अबूबकर ने खुद को विस्फोटक से उड़ाया !

(एजेंसी):

कई साल से नाइजीरिया में आतंक मचाने वाले के खूंखार संगठन बोको हरम के लीडर अबुबकर शेकऊ ने आत्महत्या कर ली है। शेकऊ रिपोर्ट्स में अधिकारियों ने दावा किया कि इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (ISWAP) से सामना होने पर शेकऊ ने विस्फोटकों से खुद को उड़ा लिया। इस बारे में कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है लेकिन वॉल स्ट्रीट जर्नल ने जिहादी लड़ाकों के बीच बातचीत के आधार पर यह दावा किया है।

जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि बोको हरम और स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस के बीच उत्तरी नाइजीरिया के बोर्नो में झगड़ा हुआ, जहां ISWAP शक्तिशाली बन बैठा है। जर्नल ने लड़ाकों और उग्रवादी कमांडर के बीच हुई बातचीत के आधार पर दावा किया है कि शेकऊ ने बम डेटोनेट कर खुद को उड़ा दिया। नाइजीरिया की सेना के प्रवक्ता मोहम्मद येरिमी ने कहा है कि प्रशासन इस बारे में जांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसी खबरें आई हैं और वह वापस आ गया। वहीं, जर्नल से बातचीत में टोनी ब्लेयर इंस्टिट्यूट में अनैलिस्ट बुलामा बुकार्ती ने कहा है कि शेकऊ दुनिया में सबसे ज्यादा लंब समय तक टिका आतंकी रहा है और दुनिया ने उसे काफी कम समझा। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया के लिए यह अहम पल है।

दुनिया के सबसे खूंखार आतंकी संगठनों में से एक बोको हरम

इस्लामिक संगठन- बोको हरम की स्थापना 2002 में मोहम्मद यूसुफ ने की थी। स्थानीय भाषा-हौसा में बोको का मतलब 'वेस्टर्न एजुकेशन की मुखालफत करना है।' लेकिन 2009 में नाइजीरिया में एक इस्लामिक देश की स्थापना के लिए संगठन ने मिलिट्री ऑपरेशन शुरू कर दिए। अमेरिका ने 2013 में बोको हरम को आतंकी संगठन घोषित किया। जब यह पहले बनाया गया था तब यह अहिंसक था और इसका मुख्य उद्देश्य उत्तरी नाइजीरिया में इस्लाम को शुद्ध करना था। मार्च 2015 में यह इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक ऐंड द लेवंट (ISIL) से जुड़ गया। साल 2009 में शेकऊ के कमान संभालने के बाद से यह इतना हिंसक हो गया कि ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स के मुताबिक एक वक्त पर सबसे खतरनाक आतंकी संगठनों में से एक था।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश ने इजराइल पर दशकों से जारी यात्रा प्रतिबंध हटाया

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश ने इजराइल के लिए दशकों से जारी यात्रा प्रतिबंध हटाने की घोषणा की है। इस कदम का यहूदी देश ने स्वागत किया है और ढाका से आह्वान किया है कि वह दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए तेल अवीव के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करे। बांग्लादेशी पासपोर्ट पर पहले एक शर्त लिखी होती थी कि ''यह पासपोर्ट इजराइल को छोड़कर दुनिया के सभी देशों के लिए मान्य है, लेकिन सरकार ने शनिवार को दस्तावेज से ''इजराइल को छोड़कर हटाने का फैसला किया और इसे पूरी दुनिया के लिए वैध बना दिया। इजराइल ने यात्रा प्रतिबंध हटाने के बांग्लादेश के फैसले का स्वागत किया है। इजराइल के विदेश मंत्रालय में उप महानिदेशक ने कहा कि गिलाद कोहेन ने ट्वीट किया, ''अच्छी खबर! बांग्लादेश ने इजराइल के लिए यात्रा प्रतिबंध हटा दिया है। यह एक स्वागत योग्य कदम है और मैं बांग्लादेशी सरकार से आगे बढ़ने और इजराइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने का आह्वान करता हूं ताकि दोनों देशों के लोगों को लाभ मिले और समृद्धि हो सके। बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल ने कहा कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए बदलाव ला रहे हैं कि पासपोर्ट ''अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करें। आठ दशकों के इजराइल-फिलीस्तीन संघर्ष में बांग्लादेश ने हमेशा से फलस्तीनियों का पुरजोर समर्थन किया है। इसने कभी भी इजराइल के अस्तित्व को मान्यता नहीं दी है और इसलिए दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। कमाल ने कहा कि इस कदम का मतलब यह नहीं है कि इजराइल को लेकर बांग्लादेश की स्थिति में बदलाव आया है। इजराइल ने 2020 के सितंबर और दिसंबर के बीच मुस्लिम बहुल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन, मोरक्को और सूडान के साथ अपने संबंध सामान्य किये थे।

परमाणु स्थलों की तस्वीरें नहीं ले सकेंगे निरीक्षक, ईरान ने लगाई रोक

तेहरान। ईरान की संसद के अध्यक्ष ने रविवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय निरीक्षक देश के परमाणु स्थलों की तस्वीरें अब हासिल नहीं कर पाएंगे। उनके इस बयान से विश्व शक्तियों के साथ तेहरान के परमाणु समझौते को बचाने के विएना के कूटनीतिक प्रयासों के बीच तनाव बढ़ सकता है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोम्मद बाघेर कलीबाफ ने रविवार को ये टिप्पणियां की जिन्हें सरकारी टेलीविजन ने प्रसारित किया। कलीबाफ ने कहा, ''इस संबंध में और तीन महीने की समयसीमा खत्म होने की अवधि के आधार पर निश्चित तौर पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के पास 22 मई से तस्वीरें हासिल करने का अधिकार नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा था कि उसके महा निदेशक विएना में रविवार को पत्रकारों को संबोधित करेंगे। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने इस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है।

चीन में खराब मौसम के कारण मैराथन में भाग लेने वाले 21 लोगों की मौत

बीजिंग। उत्तरपश्चिम चीन में बेहद खराब मौसम के कारण 100 किलोमीटर क्रॉस-कंट्री पर्वतीय मैराथन में भाग लेने वाले 21 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि गांसु प्रांत में एक पर्यटक स्थल 'येलो रिवर स्टोन फॉरेस्ट' में दौड़ में भाग लेने वाले लोगों को तेज हवाओं और बर्फीली बारिश का सामना करना पड़ा। पर्वतीय मैराथन में कुल 172 लोगों ने भाग लिया था। आधिकारिक मीडिया की खबर के अनुसार, शनिवार सुबह साढ़े नौ बजे तक मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गयी। मैराथन में भाग लेने वाले अन्य 151 लोगों के सुरक्षित होने की पुष्टि हुई है। इनमें से आठ को मामूली चोटें आयी हैं और उनका एक अस्पताल में इलाज किया गया। बचाव मुख्यालय के अनुसार, शनिवार दोपहर एक बजे दौड़ वाले इलाके में ओलावृष्टि एवं बर्फीली बारिश हुई तथा तेज हवाएं चलीं। वायुमंडलीय तापमान में अचानक गिरावट के कारण लोगों को दिक्कत होने लगी। दौड़ में भाग लेने वाले कुछ लोगों के लापता होने के बाद स्पर्धा रोक दी गई। बाइयिन शहर के मेयर झांग शुचेन ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि स्थानीय सरकार ने लापता लोगों की तलाश के लिए उपकरणों से लैस 1,200 से अधिक बचावकर्ताओं को काम में लगाया। इलाके में रात को फिर से तापमान गिर गया, जिससे तलाश एवं बचाव अभियान और मुश्किल हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मन की साधना

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डॉक्टर और मरीज

पांचवीं पास भाजपा विधायक बन गए डॉक्टर और मरीज को देने लगे इंजेक्शन

सूरत से भाजपा एक विधायक मरीज को इंजेक्शन देने को लेकर विवादों में आ गए हैं। पांचवीं पास विधायक ने घटना का वीडियो वायरल होने के बाद कहा कि उन्होंने मरीज को चढाई जा रही बोतल में कोई इंजेक्शन नहीं दिया। विधायक की सफाई सच्चाई से विपरीत है। वायरल वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि विधायक ने चालू बोतल में इंजेक्शन डाल रहे हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले विधायक का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। घटना है सूरत के सरथाणा क्षेत्र के आइसोलेशन सेंटर की। जहां कामरेज से भाजपा विधायक वीडी झालावाडिया आइसोलेशन सेंटर का जायजा लेने पहुंचे थे। मरीजों के बीच पहुंचे झालावाडिया खुद ही डॉक्टर बन गए और नर्स से दवाई लेकर उसे सिरिंज में भरा और उसे मरीज को चढ़ाई जा रही बोतल में डाल दिया। पांचवी कक्षा पास विधायक की इस हरकत का वीडियो वायरल होने के बाद लोग सवाल कर रहे हैं कि यदि मरीज को कुछ हो गया तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? घटना के वक्त झालावाडिया के साथ डॉक्टर और नर्स भी मौजूद थे। इसके बावजूद झालावाडिया को इस प्रकार इंजेक्शन देने की आखिर क्या जरूरत थी? कुछ लोग इसे अपनी छवि चमकाने की कोशिश बतारहे हैं। इस घटना पर आम आदमी पार्टी (आप) ने कड़ी

प्रतिक्रिया दी है। सूरत महानगर पालिका में विपक्ष के नेता धर्मेश भंडेरी ने आरोप लगाया कि भाजपा विधायक लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह रास्ते का काम नहीं है जो कोई भी कर ले। विधायक को भी ऐसा काम करने से पहले विचार क रना चाहिए था। भंडेरी ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार भी ऐसे विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगी। घटना को लेकर विवाद होने के बाद झालावाडिया ने सफाई देते हुए कहा कि मैं पिछले ४० दिनों से सरथाणा के कम्युनिटी होल में लोगों की सेवा कर रहा हूं। मरीज को देने के लिए जो रेमडेसिवीर इंजेक्शन मिक्स किया जाता है, सिर्फ वही इंजेक्शन मैंने अंदर डाला है। किसी मरीज को इंजेक्शन नहीं लगाया। उस वक्तवहां डॉक्टर और नर्स भी उपस्थित थे। भाजपा द्वारा सूरत के वराछा और कामरेज विधानसभा क्षेत्र में संयुक्तरूप से सेवा कार्य किया जा रहा है। जिसका कांग्रेसी नेता विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें बदनाम करने के पीछे कांग्रेस साजिश है।

कौन बनेगा गुजरात प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष? तीन नामों की चर्चा

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, गुजरात के महानगरों, नगर पालिका और जिला व तहसील पंचायतों में करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावडा और विपक्ष के नेता परेश धानाणी ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। करीब डेढ साल बाद गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और विपक्ष के नेता की नियुक्ति जल्द ही किए जाने की संभावना है। गुजरात प्रदेश प्रमुख पद को लेकर तीन नामों की चर्चा है। जिसमें राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल, पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया का नाम शामिल है। वहीं गुजरात विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष को लेकर दो नामों की चर्चा है। विधानसभा के उप नेता शैलेष परमार और पूंजा वंश नेता प्रतिपक्ष के पद की दौड़ में हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान शक्तिसिंह गोहिल को गुजरात प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त कर सकती है। अन्य राज्यों में बेहतर काम करनेवाले शक्तिसिंह गोहिल गुजरात में एक साफ सुथरी छवि के नेता माने जाते हैं और उनके खिलाफ कोई आरोप भी नहीं हैं। हांलाकि प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए भरतसिंह सोलंकी और अर्जुन मोढवाडिया भी रेस में हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान शक्तिसिंह गोहिल को गुजरात की कमान सौंप सकता है। दूसरी ओर विधानसभा के उप नेता शैलेष परमार को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की संभावना है। विधानसभा के अंतिम सत्र में पूंजा वंश में सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए पार्टी आलाकमान को प्रभावित करने के प्रयास किया था। लेकिन शैलेष परमार का पलडा भारी लग रहा है। नेता प्रतिपक्ष के लिए वीरजी ठुम्मर भी रेस में होने की चर्चा है।

नई कारों में शराब तस्करी, वलसाड एलसीबी ने दंपत्ति समेत चार लोगों को किया गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

वलसाड, गुजरात में पूर्ण शराबबंदी होने के बावजूद आए दिन लाखों रुपए की शराब पकड़ी जाती है। शराब तस्करी के लिए माफिया नित नई तरकीब आजमाते हैं, कुछ सफल हो जाते होंगे और कुछ पुलिस के हत्थे चढ़ जाते हैं। वलसाड एलसीबी ने एक दंपत्ति समेत चार लोगों को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। हांलाकि शराब की कीमत रु २.४१ लाख है, लेकिन कार की कीमत लाखों में है। जानकारी के मुताबिक वलसाड जिला एलसीबी पूर्व सूचना के आधार पर अहमदाबाद-मुंबई नेशनल हाईवे पर गश्त कर रही थी, उस वक्तदो नई

कार देख पुलिस ने उन्हें रोक लिया। कार की तलाशी में अलग अलग विदेशी ब्रांट की बोतलें बरामद हुईं। रु२.४१ लाख कीमत की शराब बदामद होने के बाद पुलिस सुनील पटेल, माया पटेल, धवल पटेल और महेश पटेल समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। शराब की तस्करी करने वाले दंपत्ति ने सोचा था कि नई कार देख पुलिस को उन पर शक नहीं होगा। लेकिन पुलिस के आगे सारी चतुराई धरी की धरी रह गई। सुनील पटेल अपनी पत्नी माया के साथ नई कार में दमण गया, जहां समुद्र किनारे पिकनिक मनाई और बाद में विदेशी शराब खरीद ली। सुनील पटेल ने सोचा था कि नई कार और अच्छे घर का दंपत्ति देख पुलिस उन्हें रोकेगी नहीं। लेकिन पुलिस को पहली ही भनक लग गई थी और आरोपी सूरत पहुंचे उससे पहले पुलिस ने रु २.४१ लाख की शराब कार समेत रु २२.४१ लाख माल-सामान जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

नकद साढ़े चार करोड़ रुपए के साथ दो शख्स पकड़े गए, उदयपुर से गुजरात आ रही थी कार

क्रांति समय दैनिक

राजस्थान-गुजरात की सीमा से सटी रतनपुर चेक पोस्ट पर पुलिस के हाथ मोटी रकम लगी है। इस नकदी को ला रहे दो शख्सों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरूकी है। पकड़े गए शख्स उदयपुर से गुजरात आ रहे थे। राजस्थान में लॉकडाउन लगने के बाद गुजरात से सटी सभी सीमाएं सील कर दी गई हैं। ऐसे राजस्थान-गुजरात से सटी रतनपुर बोर्डर पर पुलिस ने एक कार से साढ़े चार करोड़ रुपए नकद बरामद किए हैं। नकदी के साथ पकड़े गए रणजीत राजपूत गुजरात के पाटन का और नितिन पटेल मेहसाणा जिले के ऊंझा का निवासी है। कार की तलाशी लेने पर सीट के नीचे बने चोर खाने से पुलिस को इतनी बड़ी रकम मिली कि उसे गिनने में डेढ़ दिन लग गए। कार में सवार शख्सों से पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने नकद रकम और कार समेत दोनों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

सार-समाचार

सूरत में मामूली मामले में दो गुटों के बीच पथराव;वाहनों को नुकसान, पुलिस ने १२ लोगों को हिरासत में लिया

सूरत के नानपुरा इलाके में दो गुटों के बीच मामूली झड़प में पथराव हो गया. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। घटना में वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए और पुलिस ने १० से १२ लोगों को हिरासत में लिया है।

सूरत में दो गुटों के बीच पथराव, एक महिला अपनी बेटी के साथ इलाके से गुजर रही थी। शाम को बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने से मामला और बढ़ गया। भीड़ ने एक दूसरे पर पथराव किया और वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

गांधीनगर के महात्मा मंदिर में ९०० बेड का कोविड अस्पताल तैयार

अहमदाबाद, गुजरात में पॉजिटिविटी रेट लगातार घट रही है, लेकिन सरकार किसी भी संभावित स्थिति से निपटने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। अप्रैल महीने में कोरोना ने कहर बरपाया था। अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की किल्लत से मरीज अस्पताल दर अस्पताल भटक रहे थे। ऐसी घटनाओं से सबक लेते हुए सरकार ने डीआरडीओ की मदद से अहमदाबाद के यूनिवर्सिटी कन्वेंशन सेंटर में ९०० बेड का कोविड अस्पताल तैयार किया। अब गांधीनगर में ९०० बेड का कोविड होस्पिटल तैयार हो गया है और संभावना है कि सोमवार को इसका उदघाटन हो सकता है। गांधीनगर के महात्मा मंदिर में तैयार किए गए इस कोविड अस्पताल में ९०० बैड में २२५ आईसीयू और ६७५ ऑक्सीजन वाले बैड हैं। कोविड अस्पताल में ५४ टन ऑक्सीजन की टैंक भी तैयार की गई है।

२७ दिन के भीतर तैयार इस कोविड अस्पताल में मरीजों को ऑक्सीजन की कमी नहीं हो इसके लिए ५४ टन ऑक्सीजन की टैंक बनाई गई है। इस कोविड अस्पताल का संचालन गांधीनगर सिविल अस्पताल द्वारा किया जाएगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डब्ल्यूएचओ के पास कोवैक्सीन की अप्रूवल रिक्वेस्ट पेंडिंग पड़ी

केंद्र ने कोवैक्सिन को डब्ल्यूएचओ की ईयूएल लिस्ट में शामिल कराने के शुरू किए प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोवैक्सीन भले ही कोरोना के खिलाफ अधिक प्रभावी हो, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने उसे आपातकालीन यूज लिस्टिंग (ईयूएल) में जगह नहीं दी है। इसे मंजूरी नहीं मिलने की वजह से कोवैक्सीन टीका लगवा चुके लोगों को विदेश यात्रा करने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है। भारत सरकार ने कोवैक्सीन को डब्ल्यूएचओ की ईयूएल लिस्ट में शामिल कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। डब्ल्यूएचओ के पास कोवैक्सीन की अप्रूवल रिक्वेस्ट पेंडिंग पड़ी हुई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार भारत बायोटेक के अधिकारियों के साथ मिलकर इस प्रक्रिया को तेज कराने में जुट गई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कई देशों में कोवैक्सिन को मंजूरी मिल चुकी है। कोवैक्सीन को एक्सपोर्ट भी किया जाएगा, ऐसे में कई और देश इसको मंजूरी देने वाले हैं। इस बारे में भारत के विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला कोवैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक के अधिकारियों के साथ मीटिंग करने वाले हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की आपातकालीन यूज लिस्टिंग की तरफ से कोवैक्सीन को अभी मंजूरी नहीं मिली है। जिन देशों ने अंतरराष्ट्रीय यात्राओं की छूट दी है, उन्होंने अपनी खुद की रेग्युलेटरी अथॉरिटी या फिर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की इमर्जेंसी यूज लिस्टिंग (ईयूएल) की तरफ से स्वीकृत की गई वैक्सीन को ही मंजूरी दी है। इस लिस्ट में मॉडर्ना, फाइजर, एस्ट्राजेनेका, जानसन (अमेरिका और नीदरलैंड में), सिनोफार्म/बीबीआईपी और सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया की बनी हुई कोविशील्ड भी इस लिस्ट में है, लेकिन कोवैक्सीन नहीं है। डब्ल्यूएचओ की लेटेस्ट गाइडलाइंस डॉक्युमेंट के अनुसार भारत बायोटेक ने इच्छा जाहिर की है। लेकिन डबल्यूएचओ की तरफ से अधिक जानकारी की जरूरत बताई गई है। उनके अनुसार प्री-सबमिशन मीटिंग मई-जून में प्लान की गई है, जिसके बाद फर्म की तरफ से डोजियर सबमिट किया जाएगा। इसकी समीक्षा के बाद डब्ल्यूएचओ की तरफ से वैक्सीन को शामिल करने का फैसला किया जाएगा। इस प्रक्रिया में कुछ सप्ताह से लेकर महीने तक का समय लग सकता है। इमिग्रेशन एक्सपर्ट विक्रम श्रॉफ ने बताया कि अगर कोई वैक्सीन ईयूएल की लिस्ट में नहीं है या फिर किसी विदेशी देश की तरफ से अप्रूव नहीं की गई है, ऐसी परिस्थिति में यात्री को नॉन-वैक्सीनेटेड माना जाएगा।

30 मई को मोदी सरकार के 7 साल पूरे होने पर कोई कार्यक्रम नहीं करेगी भाजपा

-भाजपा प्रमुख नड्डा ने कहा-अनाथ बच्चों के लिए योजना बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आगामी 30 मई को मोदी सरकार के सात साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसी तरह का कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं करेगी। कोरोना काल के कारण भाजपा ने समारोह से दूरी बनाई है। हालांकि, कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों के लिए सभी भाजपा शासित राज्यों में योजना की घोषणा कर इस मौके को भाजपा की तरफ से खास बनाने की तैयारी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस संबंध में भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में कहा सौ साल बाद आई इस भीषण महामारी ने हमारे कई अपनों को हमसे छीना है और हमारे राष्ट्र व समाज में कई गहरे जख्म छोड़े हैं। दुर्भाग्य से अनेक बच्चे ऐसे हैं, जिनके माता-पिता दोनों महामारी में नहीं रहे हैं। उनके भविष्य के लिए सोचना हम सभी का कर्तव्य है। ऐसे बच्चों और परिवारों के लिए एक बड़ी योजना के दिशा-निर्देश जल्द आपको उपलब्ध कराए जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्रियों से अनाथ बच्चों के लिए योजना का प्रारूप बनाने को कहा है, ताकि 30 मई को मोदी सरकार के कार्यकाल के सात साल पूरे होने पर एक साथ सभी राज्यों में लागू किया जा सके। भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्रियों से कहा है कि कोरोना संकट के कारण किसी भी राज्य में मोदी सरकार के सात साल पूरे होने पर कोई कार्यक्रम नहीं होंगे।

अस्पताल बनाने पर खर्च किया जाएगा नांदेड़ गुरुद्वारे में पिछले 50 साल में एकत्र सोना

नांदेड़ । महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित गुरुद्वारा तख्त श्री हजूर साहिब की ओर से कहा गया कि गुरुद्वारे में पिछले 50 साल से जमा हुए सारे सोने को दान कर दिया जाएगा। इससे मिले पैसों से हॉस्पिटल बनाया जाएगा। तख्त के जत्थेदार संत बाबा कुलवंत सिंह ने कहा कि लोगों को नांदेड़ से इलाज कराने के लिए हैदराबाद और मुंबई जैसे बड़े शहर जाना पड़ता है। उनके मुताबिक अगर हॉस्पिटल का निर्माण नांदेड़ में किया गया तो फिर लोगों को दूसरे बड़े शहर नहीं जाना पड़ेगा। यहां के आप-पास के गांव के लोग नांदेड़ में इलाज करा सकेंगे। गुरुद्वारा से जुड़े कुलवंत सिंह ने कहा जो सोना हमने पिछले 50 साल से जमा करके रखा है, उसे हमें और जमा करके नहीं रखना है। हमें इसे सेवा में लगाना होगा। इसे हॉस्पिटल और स्कूल बनाने में खर्च करना होगा। हमने इससे पहले इन सोने का इस्तेमाल गुरुद्वारा बनाने में किया है। कोई मेडिकल कॉलेज बने इससे लोगों का फायदा होगा। हजूर साहिब सिखों के 5 तख्त में से एक है। इसमें स्थित गुरुद्वारा 'सच खण्ड' कहलाता है। गुरुद्वारा का निर्माण 1832 और 1837 के बीच हुआ था। गोदावरी नदी के किनारे बसा शहर नांदेड़ हजूर साहिब सचखंड गुरूद्वारे के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। यहां हर साल दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु आते हैं और मत्था टेकते हैं। सन 1708 से पहले गुरु गोविन्द सिंह जी ने धर्म प्रचार के लिए कुछ वर्षों के लिए यहां अपने कुछ अनुयायियों के साथ रुके थे।

बिहार में ब्लैक फंगस महामारी घोषित

पटना (एजेंसी)।

बिहार में ब्लैक फंगस को महामारी घोषित कर दिया गया है। इसे एपिडेमिक डिजीज एक्ट में शामिल करते हुए इलाज के लिए राज्य और केंद्र सरकार की गाइडलाइन का पालन किया जाएगा। मरीजों के बेहतर इलाज के लिए दवाओं को स्टोर किया जा रहा है। पटना के आईजीआईएमएस, एनएमसीएच और एम्स में मरीजों का इलाज होगा। बिहार में लगातार ब्लैक फंगस के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। एक महीने में इसके 100 से ज्यादा मरीज मिले हैं। केंद्र सरकार ने जो आंकड़ा बताया है, उसकी तुलना में राज्यों में मरीजों की संख्या अधिक है। केंद्र के अनुसार दिल्ली में 197 मरीजों का इलाज जारी है। हकीकत ये है कि दिल्ली के आठ अस्पतालों में 228 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं।

दिल्ली में मृत्यु दर सबसे ज्यादा, पंजाब दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। मई के महीने में कोविड-19 महामारी से मृत्यु दर तेजी से बढ़ी है। यह हाल किसी एक राज्य का नहीं, बल्कि पूरे देश का है। मई के शुरुआती तीन हफ्तों (21 मई तक) के आंकड़े देखें तो राज्यों में दिल्ली का केस फैटलिटी रेट (सीएफआर) सबसे ज्यादा रहा है। यहां मई के पहले तीन हफ्तों में 6,684 मरीजों की मौत हुई और मृत्यु दर 2.54 फीसदी रही है। दूसरे नंबर पर पंजाब रहा है, जहां इतने ही समय में 2.46 फीसदी की दर से 3,874 मौतें दर्ज की गईं हैं। राजधानी में 21 मई तक 2.63 लाख से थोड़े ज्यादा मामले दर्ज किए गए और 6,684 मौतें हुईं हैं। इस दौरान दिल्ली में मृत्यु दर (2.54 फीसदी) इससे पहले के तीन हफ्तों में दर्ज सीएफआर 1.12 फीसदी के दोगुने से भी ज्यादा रही। दिल्ली में ओवरऑल सीएफआर 1.63 फीसदी रही। मई के माह में राष्ट्रीय स्तर पर भी मृत्यु दर में अच्छा-खासा उछाल देखा गया। 21 मई तक सीएफआर 1.17 फीसदी रही है, जो कि इससे पहले के तीन हफ्तों (10 अप्रैल-30 अप्रैल) के बीच 0.73 फीसदी थी। भारत में 21 मई तक 83,135 मौतें दर्ज की गईं जो कि उसके पिछले तीन हफ्तों में दर्ज 43,258 मौतों से 92 प्रतिशत ज्यादा हैं। इसके मुकाबले केसेज के आंकड़े देखें तो वह 10-20 अप्रैल के बीच 59.5 लाख से 20 फीसदी बढ़कर 1-21 मई के बीच 71.3 लाख तक पहुंच गए। यानी केसेज के मुकाबले मौतों में तीन गुने से भी ज्यादा उछाल देखा गया। 8 मई को पीक के बाद से ही संक्रमण केसेज लगातार कम हो रहे हैं, मगर मौतों का आंकड़ा काफी धीमी रफ्तार से नीचे आ रहा है। शायद इसके पीछे आमतौर पर केसेज और मौतों के बीच दिखने वाला दो सप्ताह का अंतर हो। देश में ओवरऑल सीएफआर 1.13 फीसदी है। उत्तराखंड, जहां इस साल कुंभ का आयोजन हुआ, वहां का सीएफआर 2.34 फीसदी है जो कि देश में इस लिहाज से तीसरे नंबर पर है। 10-30 अप्रैल के बीच वहां की मृत्यु दर 1.18 फीसदी थी। उच्च मृत्यु दर वाले अन्य राज्यों में झारखंड (2.24 फीसदी), गोवा (2.14 फीसदी) और महाराष्ट्र (1.85 फीसदी) शामिल हैं। महाराष्ट्र में मई महीने में सर्वाधिक 17,097 मौतें दर्ज की गईं हैं। वहां 10-30 अप्रैल के बीच मृत्यु दर 0.87 फीसदी रही थी। मई के महीने में 8,749 मौतों के साथ कर्नाटक दूसरे नंबर पर रहा, वहां का सीएफआर इस महीने 1.04 फीसदी है। बड़े राज्यों की बात करें तो मई माह में सबसे कम सीएफआर ओडिशा (0.17 फीसदी) का है।

सिर्फ कोरोना के अंदेशे के आधार पर सभी मामलों में जमानत नहीं दे सकतेः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सिर्फ कोरोना के अंदेशे के आधार पर सभी मामलों में जमानत नहीं दी जा सकती। जमानत के लिए अपराध का स्वरूप और उसकी गंभीरता पर विचार करना जरूरी होता है। जस्टिस विनीत शरण व जस्टिस अनिरुद्ध बोस की पीठ की ने ये टिप्पणी पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ एक होटल मालिक द्वारा दायर अग्रिम जमानत की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। होटल मालिक पर अपने परिसर का इस्तेमाल वेश्यावृत्ति के लिए करने का आरोप है। हाईकोर्ट के अग्रिम जमानत देने से इनकार के बाद उसने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सरकारी अभियोजक ने हाईकोर्ट के समक्ष कहा था कि एक गुप्त सूचना के आधार पर होटल में छापामारी की गई। पुलिस ने वहां से उज्बेकिस्तान की दो युवतियों समेत 14 लोगों को गिरफ्तार किया था। होटल मालिक मौके से भागने में सफल रहा था। अभियोजक की ओर से कहा गया था कि इस पूरे रैकेट का पर्दाफाश करने के लिए याचिकाकर्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ जरूरी है। जिसके बाद हाईकोर्ट ने उसे अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में होटल मालिक के वकील ने कहा, जिन दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है उनमें से एक उसकी पत्नी है जबकि दूसरी उसकी होटल की रिसेप्शनिस्ट है। साथ ही यह भी दलील दी गई कि अभी कोरोना महामारी का समय है इसलिए उसे अग्रिम जमानत दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, तो यहां भी कोविड आ गया। मामला अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम का है। होटल से 14 कस्टमर पकड़े गए। कोरोना सभी चीजों का समाधान नहीं है। पीठ ने याचिकाकर्ता को अग्रिम जमानत देने से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता को तत्काल समर्पण करने के लिए कहा है। कोर्ट ने मोहाली के एसएसपी को निर्देश दिया है कि अगर याचिकाकर्ता समर्पण नहीं करता है तो उसकी गिरफ्तारी के लिए उचित कदम उठाए जाएं। कोर्ट ने एसएसपी को एक हफ्ते में अनुपालन रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है।

कार्यस्थलों पर टीकाकरण-

केंद्र ने दी मंजूरी, कर्मचारियों के साथ उनके परिजनों को भी लग सकेगा टीका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान में केंद्र सरकार ने एक और फैसला लेते हुए निजी और सरकारी कार्यालयों में भी टीकाकरण की अनुमति दे दी है। इस संबंध में शनिवार को जारी आदेश के अनुसार कर्मचारियों के साथ ही उनके परिजनों को भी कार्यालय में टीका लग सकेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव विकास शील ने इसे लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक पत्र भी लिखा है। औद्योगिक कोविड टीकाकरण केंद्रों और निजी कार्यालयों में बने केंद्रों में वह अस्पताल टीकाकरण कराएगा, जिसका कंपनी के साथ करार है।वहीं, इस अभियान में सरकारी कार्यालयों में व्यवस्था थोड़ी अलग होगी। जानकारी के अनुसार यहां 45 वर्ष से अधिक आयु वाले कर्मचारियों के टीकाकरण की व्यवस्था केंद्र सरकार करेगी। वहीं, 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग वाले कर्मचारियों का टीकाकरण राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 की संक्रमण दर दस मई को 24.83 फीसदी से कम होकर 22 मई को 12.45 फीसदी रह गई है। वहीं, 8 राज्यों में उपचाराधीन मरीजों की संख्या एक लाख से अधिक है जबकि 18 राज्यों में संक्रमण दर 15 फीसदी से अधिक है। साथ ही कोरोना टीकों की बर्बादी पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोविशील्ड वैक्सीन की बर्बादी की दर 1 मार्च को 8 फीसदी से कम होकर अब केवलएक फीसदी रह गई है। वहीं कोवैक्सीन टीके की बर्बादी दर इसी अवधि में 17 फीसदी से घटकर चार फीसदी रह गई है। भारत में कोरोना के रोजाना मामलों की संख्या लगातार छठे दिन तीन लाख से कम रही और एक दिन में 2.57 लाख नए मामले सामने आए। सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोविड-19 के मामले बढ़कर दो करोड़ 62 लाख 89 हजार 290 हो गए।

उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार के उस तर्क को खारिज करते हुए नाराजगी जताई

हाईकोर्ट ने कहा, लोग पड़ोसी राज्यों में इलाज के लिए मजबूर

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार के उस तर्क को खारिज करते हुए नाराजगी जताई है कि ऐसे रोगियों को उस राज्य से दवा व चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए जहां वे इलाज करवा रहे हैं। अदालत ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर में संक्रमण के घातक होने व राष्ट्रीय राजधानी के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की अधूरी तैयारियों के होने के चलते ही लोगों को पड़ोसी राज्यों के अस्पतालों में इलाज के लिए मजबूर किया है। इतना ही नहीं अदालत ने ब्लैक फंगस दवा पर केंद्र, दिल्ली व हरियाणा सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति रेखा पल्ली ने यह टिप्पणी दिल्ली निवासी एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई के दौरान की है, जिसमें गुरुग्राम के एक अस्पताल में भर्ती उनके पिता के लिए ब्लैक फंगस के इलाज में इस्तेमाल किए जाने वाले लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन बी इंजेक्शन/एमफोनेक्स-50 की मांग की गई थी। जबकि दिल्ली सरकार ने दवा से इनकार कर दिया। अदालत ने इस मामले में केंद्र, दिल्ली व हरियाणा सरकार को नोटिस जारी जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 25 मई तय की है। दिल्ली सरकार ने सुनवाई के दौरान अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता का इलाज राष्ट्रीय राजधानी के किसी अस्पताल में नहीं हो रहा था, बल्कि गुरुग्राम में हो रहा है। ऐसे में वह हरियाणा में संबंधित अधिकारियों से दवा मांग सकता है। अदालत ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के पिता का कोविड का इलाज एक महीने से अधिक समय से किया जा रहा था। अब वह जिस दवा की मांग कर रहे हैं, वह मरीज के इलाज के लिए तुरंत जरूरी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह आम लोगों के ज्ञान की बात है कि कोविड-19 की दूसरी लहर के घातक संक्रामक की प्रकृति और राजधानी में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की अधूरी तैयारी ने याचिकाकर्ता के पिता की तरह दिल्ली के कई अन्य हताश लोगों को पड़ोसी राज्यों के अस्पतालों में दाखिले व चिकित्सा के लिए जाना पड़ा। अदालत ने कहा कि उनका मानना है कि यह न्याय के हित में होगा कि दिल्ली सरकार को याचिकाकर्ता के आग्रह के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाते हुए यदि संभव हो तो उनके पिता के इलाज के लिए आवश्यक दवा उपलब्ध कराना चाहिए, भले ही कम से कम अगले कुछ दिनों के लिए।

संक्षिप्त समाचार

इजरायली राजदूत ने साथ देने के लिए भारतीय को कहा शुक्रिया

नई दिल्ली । गाजा पट्टी में इजरायल और फिलस्तीन उग्रवादी गुट हमास के बीच संघर्षविराम के बाद नई दिल्ली स्थित इजरायली दूतावास ने भारतीयों को धन्यवाद दिया है। इजरायली दूतावास की के ट्वीट में कहा गया कि रॉकेट हमलों की शुरुआत से जिस तरह का समर्थन हमें मिला, उसके लिए हम अपने दोस्तों और फॉलोअर्स का धन्यवाद करते हैं। दूतावास ने एक तस्वीर भी ट्वीट की जिसमें कई भाषाओं के साथ-साथ हिंदी में भी धन्यवाद लिखा हुआ था। डेप्युटी चीफ ऑफ मिशन (डीसीएम) रोनी येदिदिया क्लीन ने खासतौर पर भारत के लोगों का शुक्रिया अदा किया। उन्होने एक ट्वीट में कहा भारत के प्यारे दोस्तों, पिछले 12 दिनों में आपका साथ और मित्रता हमारी मजबूती और प्रेरणा रही है। इससे इजरायली दूतावास में मुझे और मेरे सहयोगियों को इजरायल की रक्षा के हमारे काम में काफी मदद मिली। आपने दिखाया है कि जरूरत के समय तो साथ दे, वही असली मित्र होता है। धन्यवाद। इजरायली दूतावास और डीसीएम रोनी के ट्वीट पर भारतीय यूजर्स ने भी उसी गर्मजोशी से जवाब दिए हैं। भरत सागर नाम के शख्स ने लिखा कि भारत और इजरायल सिर्फ दोस्त ही नहीं हैं, असल में विविधता भरा एक परिवार है। हम रणनीतिक रूप से एक-दूसरे की सामाजिक-आर्थिक प्रगति के साझेदार भर नहीं हैं, बल्कि हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं। सोनू यादव ने लिखा, सरकार बाहर से भले कुछ भी दिखाए और भीतर से कुछ और मगर भारत के लोग इजरायल के साथ हैं, और हमेशा रहेंगे।

उखरुल में भूकंप के झटके महसूस किए, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.3

उखरुल । मणिपुर के उखरुल में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 6.56 मिनट पर मणिपुर के उखरुल में भूकंप से झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.3 बताई जा रही है। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी ने इस बात की जानकारी दी।

कोविड उपचार के 6 हफ्तों तक ब्लैक फंगस के रोगी को ज्यादा खतरा

नई दिल्ली। एम्स के वरिष्ठ न्यूरोसर्जरी प्रोफेसर डॉ पी शरत चंद्र का कहना है कि फंगल संक्रमण नया नही है, लेकिन यह कभी महामारी की तरह नहीं फैला। इसके इस घातक स्तर पर पहुंचने के कारण का अभी ठीक-ठीक कारण का पता नहीं चला है। उन्होंने कहा कि हालांकि इसके अनेक कारण हो सकते हैं। इसकी एक सबसे खास वजह है मरीज के ऑक्सीजन पर होने के दौरान अनियंत्रित मधुमेह में स्टेरॉयड के साथ टोसिलीजुमाब का इस्तेमाल। उन्होंने कहा कि यदि कोरोना के उपचार के छह हफ्तों तक यदि मरीज में ऐसा कोई कारण नजर आता है, तो उनमें ब्लैक फंगस का सबसे ज्यादा खतरा हो सकता है। डॉ चंद्र ने चेताया कि इसके मरीज को ऑक्सीजन सिलिंडर से सीधे ठंडी ऑक्सीजन देना बेहद खतरनाक हो सकता है। मालूम हो कि एम्स दिल्ली और झज्जर परिसर में 90, अपोलो में 25, मैक्स में 30, गंगाराम अस्पताल में 55, मणिपाल में 13, आकाश अस्पताल में पांच और फोर्टिस वसंतकुंज अस्पताल में 10 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली सरकार के अधीन 33 अस्पतालों की जानकारी इसमें नहीं है। दरअसल, केंद्र ने पुराने आंकड़े के आधार पर इंजेक्शन भेजे, तब तक मरीज बढ़ गए। इसीलिए केंद्र और राज्य के आंकड़े में अंतर दिख रहा है।

दिल्ली में 2-डीजी दवा उपलब्ध नहीं, लेकिन मरीजों से लाने को कह रहे अस्पताल

नई दिल्ली । दिल्ली हार्ट एवं लंग्स इंस्टीट्यूट में भर्ती 68 वर्षीय मरीज रीता (बदला हुआ नाम) कोरोना के चलते गंभीर हालत में हैं। यहां डॉक्टरों ने उनके बेटे से कहा कि मरीज को तत्काल डीआरडीओ की 2-डीजी दवा देनी है। इसके लिए डॉक्टरों ने बकायदा प्रिस्क्रिप्शन पर यह लिखकर दिया है कि इस मरीज को सबसे ज्यादा 2-डीजी दवा की आवश्यकता है। इतना ही नहीं अस्पताल से बताया गया कि यह दवा एम्स में मिल सकती है लेकिन जब बेटा वहां पहुंचा तो एम्स ने साफ कहा कि यह गलत जानकारी है। अभी इस दवा का इस्तेमाल परीक्षण से बाहर नहीं किया जा रहा है। यह दवा बाजार में उपलब्ध नहीं है। रीता की तरह कई मरीज हैं जिनका उपचार दिल्ली के नामचीन प्राइवेट अस्पतालों में चल रहा है और यहां के डॉक्टर उनके परिजनों से दवा का इंतजाम करने की सलाह दे रहे हैं। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड और पंजाब तक के अस्पतालों में इस तरह की प्रैक्टिस चल रही है। लोगों से कहा जा रहा है कि दिल्ली के बाजार में यह दवा मिल रही है वहां से ले आओ।

कोरोना वेरिएंट बी1.617.2 पर एक्सफर्ड एस्ट्रेजेनेका वैक्सीन की सिंगल डोज नाकाफी

-कोरोना के बी1.617.2 से मजबूत सुरक्षा के लिए कोविड-19 वैक्सीन की 2 डोज लेना जरूरी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के नए वेरिएंट बी1.617.2 के खिलाफ ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की सिंगल डोज कम प्रभावी साबित हो रही है। यूके सरकार की नई रिसर्च के मुताबिक कथित रूप से भारत में पाए गए कोरोना के नए वेरिएंट बी1.617.2 से मजबूत सुरक्षा देने के लिए कोविड-19 वैक्सीन की 2 डोज लेना बेहद जरूरी है। ब्रिटेन के पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (आंकड़ों के मुताबिक, वैक्सीन की दो डोज लगने के बाद उसने भारत में पाए गए बी1.617.2 वेरिएंट के खिलाफ 81 फीसदी सुरक्षा प्रदान की। वहीं दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के केंट में पहली बार पहचाने गए बी1.1.7 वेरिएंट के खिलाफ 87 फीसदी सुरक्षा दी है। आंकड़ों के मुताबिक, वैक्सीन की एक डोज कोरोना के बी1.617.2 वेरिएंट पर 33 फीसदी ही कारगर साबित हुई वहीं बी1.1.7 वेरिएंट के खिलाफ 51 फीसदी कारगर साबित हुई। इसी तरह बी1.1.7 वेरिएंट के खिलाफ 51 फीसदी कारगर साबित हुई। रिपोर्ट के मुताबिक इस वैक्सीन का सिंगल शॉट बी1.1.7 वेरिएंट की तुलना में बी1.617.2 पर 35 फीसदी कम सुरक्षा प्रदान करता है। पीएचई ने बायोएनटेक/फाइजर और ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के डेटा से आकलन किया है। पीएचई ने कहा है कि ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की दो डोज 85 से 90फीसदी इफेक्टिव है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)